आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

आ रहे हैं 'राम'

वर्ष : 26 | अंक : 25 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 15 जनवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

लोकसभा चुनाव-2024 पर मायावती का ऐलान

ना INDIA ना NDA, किसी से नहीं करेंगे गठबंधन

- भाजपा फ्री राशन देकर लोगों को बना रही है गुलाम
- अखिलेश यादव ने गिरगिट की तरह रंग बदला

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 में केन्द्र की भाजपा सरकार के खिलाफ एकजुट होकर चुनाव लड़ने के लिए बने इंडिया गठबंधन को बहुजन समाजपार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बड़ा झटका दिया है। मायावती ने आज लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान कियस। उन्होंने कहा कि बीएसपी लोकसभा चुनाव 2024 अकेले अपने दम पर पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। बीएसपी न तो इंडिया और न एनडीए से कोई गठबंधन करेगी। मायावती ने कहा कि गठबंधन से बसपा को फायदा कम नुकसान ज्यादा होता है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज अपने जन्मदिन के मौके पर लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के साथ-साथ बीजेपी पर भी निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने ईवीएम और INDIA ब्लॉक का जिक्र किया और ऐलान किया कि उनकी (शेष पृष्ठ-4 पर)

अखिलेश पर वार

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा के प्रमुख अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने गिरगिट की तरह रंग बदला है। ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए।

राम मंदिर की भव्यता की नई तस्वीरें

भगवान राम की छवि 25 फीट दूर से निहार सकेंगे श्रद्धालु

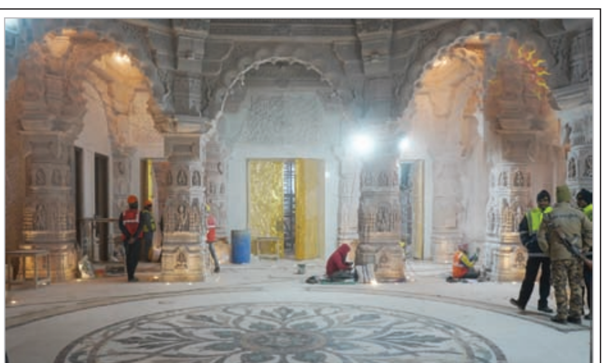

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में जैसे-जैसे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तिथि नजदीक आती जा रही है। श्रीराम मंदिर की भव्यता की तस्वीरें भी सामने आने लगी हैं। अब अयोध्या के राम मंदिर की भव्यता और सुंदरता की कुछ और नई तस्वीरें सामने आई हैं। जिन्हें देखकर सभी श्रद्धालु पूरी तरह से राम की भक्ति में डूब जाएंगे। राम मंदिर का गर्भगृह कुछ ऐसे बनाया गया है कि 25 फीट दूर से श्रद्धालु भगवान राम की छवि निहार सकेंगे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

सबसे बड़ा दान रक्तदान: डा. लोकेश एम

चाइल्ड पीजीआई के सहयोग से एनईए ने रक्तदान शिविर लगाया

नोएडा (चेतना मंच)। आज मंकर संक्रांति तथा पोंगल के पुण्य दिवस पर दान देना शुभ माना जाता है। लेकिन दुनिया में सबसे बड़ा दान रक्तदान है। आपके किए गए रक्तदान से किसी को नया जीवन मिल सकता है। आज चाइल्ड पीजीआई के सहयोग से नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन (एनईए) ने आयोजित रक्तदान एक पुण्य कार्य किया है। लोग इससे प्रेरणा लें तथा अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें। यह आहवान किया नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम ने। वे सेक्टर-6 में इंदिरा गांधी कला केन्द्र में आयोजित रक्तदान शिविर का उदघाटन करने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

आज इस रक्तदान शिविर में नोएडा प्राधिकरण के कई कर्मचारियों ने रक्तदान किया। एनईए अध्यक्ष चौ. राजकुमार, महामंत्री जीतेन्द्र कुमार तथा उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि चाइल्ड पीजीआई में रक्त की काफी कमी चल रही है। इसी के मददेनजर आज मकरसंक्रांति के अवसर पर एनईए ने चाइल्ड पीजीआई के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया। खबर लिखे जाने तक शिविर चल रहा था।

लिविंग में रहने वाली महिला ने की आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। चोटपुर कॉलोनी में लिव इन रिलेशनशिप में रह रही एक महिला ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। थाना सेक्टर-63 प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि रविवार को चोटपुर कॉलोनी निवासी नीतिश गुप्ता ने पुलिस को सूचना दी कि उसके मकान में किराए पर रहने वाली सुमन देवी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। प्रारंभिक जांच को पता चला है कि सुमन देवी मूल रूप से अलीगढ़ की रहने वाली थी और चोधपुर कॉलोनी में नीरज के साथ लिव (शेष पृष्ठ-4 पर)

पत्नी के चरित्र पर शक ने पति को बना दिया हैवान

● चचेरे साले की हत्या

नोएडा (चेतना मंच)। पत्नी के चरित्र पर शक को लेकर एक व्यक्ति इस कदर हैवान बना कि उसने रिश्ते में लगने वाले अपने साले को ही मौत के घाट उतार दिया। आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर अपने साले की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को नदी के किनारे फेंक दिया। थाना ईकोटेक तीन पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है इनके पास से मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है।

सेंट्रल जोन के एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि बीते 12 जनवरी को ककराला पुश्ते से नीचे ग्रीन बेल्ट की झाड़ियों में एक युवक का शव मिला था। शव के पास से मिले पैन कार्ड के आधार पर उसकी पहचान विपिन के रूप में हुई। विपिन फेस-2 स्थित हालोनिक्स कंपनी में काम करता था और मूल रूप से ग्राम खेड़िया शुजातपुर अलीगढ़ का रहने वाला था। इस मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस की तीन टीम में गठित की गई थी।

थाना प्रभारी सरिता सिंह व उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर विपिन कुमार के जीजा जोनी निवासी ग्राम नगला जगत थाना अहमदगढ़ जनपद बुलंदशहर व उसके साथी श्यामवीर बंजारा निवासी कन्नौज को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में जॉनी ने बताया कि विपिन कुमार की चचेरी बहन से उसकी शादी हुई थी। शादी के कुछ समय बाद उसे शक हुआ कि उसकी पत्नी तथा विपिन के बीच नाजायज संबंध है। विपिन कुमार भी उसके पास ही नागला चरण दास गांव में किराए पर कमरा लेकर रह रहा था। (शेष पृष्ठ-4 पर)

छत पर खेल रही बच्ची गिरकर मरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के वृंदावन कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति की 3 वर्षीय बेटी छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल ले जाते समय बच्ची ने दम तोड़ दिया। वृंदावन कॉलोनी में रहने वाले जितेंद्र कुमार की 3 वर्षीय से बेटी निधि छत पर खेल रही थी इस दौरान संतुलन बिगड़ने के कारण वह छत से नीचे आगे रे सर के बाल गिरने के कारण निधि को गंभीर चोटे आई परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया मासूम बच्चे की मौत के बाद से उसके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

ट्रैक्टर से कुचलकर बच्ची की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के नवादा गांव में ट्रैक्टर की चपेट में आने से (11 वर्षीय) बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद भागने का प्रयास कर रहे ट्रैक्टर चालक को ग्रामीणों ने मौके पर ही दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। ग्राम नवादा निवासी जोगेंद्र की 11 वर्षीय बेटी शिवानी रविवार को किसी काम से घर से बाहर जा रही थी रास्ते में पीछे से तेज गति में आ रहा ट्रैक्टर का चालक संतुलन खो बैठा और उसने शिवानी को टक्कर मार दी टक्कर लगने से शिवानी सड़क पर गिर गई और ट्रैक्टर का पहिया उसके ऊपर से उतर गया। हादसे के बाद भागने का प्रयास कर रहे ट्रैक्टर चालक को आसपास (शेष पृष्ठ-4 पर)

पार्टी में आया व्यक्ति मरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र के जेपी ग्रीन सोसाइटी में परिचित के यहां आए एक व्यक्ति की तबियत खराब हो गई। गंभीर स्थिति में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। ग्रेटर नोएडा निवासी अभिषेक पांडे दो दिन पूर्व अपने परिचित के यहां पार्टी में आया था देररात्रि उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई। परिचित ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसने दम तोड़ दिया थाना प्रभारी ने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मृतक के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

पुलिस भर्ती की तैयारी में जुटी युवती से अभद्रता

विरोध करने पर भाई को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली पुलिस भर्ती के लिए फिजिकल की तैयारी कर रही युवती के साथ कुछ युवकों ने अभद्र व्यवहार किया। यूपी के भाई ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली गलौज कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इस संबंध में दो नामजद सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना जेवर में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ग्राम मेवला गोपालगढ़ निवासी विराट तालान ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसकी बहन दिल्ली पुलिस भर्ती के लिए फिजिकल की तैयारी कर रही है। बीते 14 जनवरी को वह अपनी बहन को मेहंदीपुर रोड के पास रेस ग्राउंड पर दौड़ की तैयारी कराने के लिए ले जा रहा था। इस दौरान सोहेल, जुनैद व उसके कुछ साथियों ने उन्हें रोक लिया और गाली गलौज शुरू कर दी। उसने जब इस बात का (शेष पृष्ठ-4 पर)

दबंगों ने किया विधवा महिला के घर पर कब्जे का प्रयास

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक 3 क्षेत्र के ग्राम वैदपुरा में कुछ दबंगों ने एक विधवा महिला के घर पर तोड़फोड़ कर उस पर कब्जा करने का प्रयास किया। महिला के बेटे ने जब इस बात का विरोध किया तो दबंगों ने उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता ने थाना ईकोटेक 3 में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम वैदपुरा निवासी विमलेश ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि गांव के ही रविंद्र, दीपांशु, सुमित, संदीप व करीब 10 अज्ञात लोग बीते 12 जनवरी को उसके घर पर पहुंचे। आरोपियों के (शेष पृष्ठ-4 पर)

ठंड से बचाव के लिए जलाई अंगीठी, महिला की हुई मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

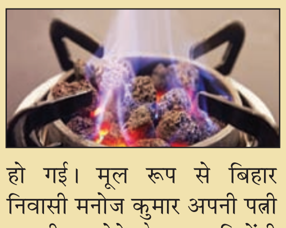

बिरोंडी गांव में ठंड से बचाव के लिए कमरे में अंगीठी रखकर सोना एक परिवार के लिए घातक साबित हुआ है। अंगीठी के धुएं से दम घुटने के कारण महिला की मौत हो गई और उसके बेटे की हालत खराब हो गई। मूल रूप से बिहार निवासी मनोज कुमार अपनी पत्नी गायत्री व बेटे के साथ बिरोंडी गांव में किराए (शेष पृष्ठ-4 पर)

ग्रेटर नोएडा से चार नाइजीरियन गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विदेशी नागरिकों के सत्यापन के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना रबूपुरा पुलिस ने चार नाइजीरियन को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक नाइजीरियाई महिला भी शामिल है। पकड़े गए चारों आरोपी वीजा अवधि समाप्त होने के बाद अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। सत्यापन के पश्चात पकड़े गए आरोपियों को उनके देश वापस भेजने की कार्रवाई की जा रही है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

महिला के चेहरे पर तेजाब फेंकने की दी धमकी

मनचले की धमकी के बाद महिला भयभीत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मनचले युवक द्वारा बात ना मानने पर तेजाब फेंकने की दी गई धमकी से एक महिला खासी भयभीत है। मनचले ने महिला को सोसाइटी में बदनाम करने तथा पुलिस में शिकायत करने पर टुकड़े-टुकड़े करने की भी धमकी दी है पीड़िता ने इस संबंध में थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सुपरटेक इको विलेज दो में रहने वाली रश्मि चौहान (काल्पनिक नाम) ने बताया कि वह सेक्टर-62 के अस्पताल में कार्यरत है। बीते 11 जनवरी की रात्रि को किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके मोबाइल पर फोन कर उसके साथ अश्लील बातें की। उसने जब इस बात का विरोध किया तो मनचले युवक ने उसे भद्दी-भद्दी गालियां दी। महिला का आरोप है कि फोन करने वाले युवक ने उसे बात ना मानने पर सोसायटी के बाहर उसके फोटो चिपकाने तथा पुलिस में शिकायत (शेष पृष्ठ-4 पर)

युवक कांग्रेस के चुनाव परिणाम हुऐ घोषित

शाहबुद्दीन बने प्रदेश महासचिव, जावेद खान जिलाध्यक्ष व नीरज अवाना नोएडा अध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवक कांग्रेस के लिए हुए कांटे के चुनाव के बाद शाहबुददीन ने युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव (पश्चिमी उप्र) के पद पर शानदार जीत हासिल की है। कल देर शाम घोषित परिणामों में जिलाध्यक्ष की दौड़ में जावेद खान विजयी हुए। वहीं नोएडा महानगर अध्यक्ष के प्रत्याशी नीरज अवाना ने जीत दर्ज की। उक्त प्रत्याशियों की शानदार जीत में अंतर्राष्ट्रीय शूटर, किसान नेत्री तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेत्री पूनम पंडित तथा पूर्व एआईसीसी सदस्य दिनेश अवाना एडवोकेट की बड़ी भूमिका बताई जाती है।

शाहबुददीन

जावेद खान

नीरज अवाना

इस चुनाव में दादरी विधानसभा से युवक कांग्रेस के प्रत्याशी तथा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष दिनेश शर्मा के पुत्र जीतू पंडित की भी शानदार जीत हुई है।

बता दें कि युवक कांग्रेस के प्रदेश संगठन को चार जोन में बांटकर नवंबर माह में सभी जोन के अध्यक्ष तथा महासचिव समेत जिला तथा विधानसभा अध्यक्षों के चुनाव हुए थे। आन लाइन हुए चुनाव के परिणाम कल देर शाम घोषित किए गए। (शेष पृष्ठ-4 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com

RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com

Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

बहिष्कार का फैसला

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण अस्वीकार कर कांग्रेस ने धर्म को निजी मामला माना है, लेकिन उसकी आरोपिया दलीलें भी हैं कि 'अधूरे मंदिर' का उद्घाटन शास्त्र सम्मत नहीं है। यह आरएसएस-भाजपा का कार्यक्रम है और उन्होंने 'राजनीतिक लाभ' के लिए ऐसा किया है। कांग्रेस ने शंकराचार्यों द्वारा भी आमंत्रण अस्वीकार करने की आड़ ली है, जो अर्द्धसत्य है। शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती की टीम प्राण-प्रतिष्ठा की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। इसके अलावा, दो शंकराचार्यों ने अपनी स्वीकृति भेज दी है कि वे 22 जनवरी के पावन उत्सव में शामिल होंगे। शेष दो शंकराचार्यों के अपने कोई कारण होंगे, लेकिन उन्होंने प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा को खारिज नहीं किया है। कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं के लिए राम मंदिर समारोह 'अधूरे मंदिर की सियासत' है, लेकिन उप्र कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय के साथ जो 50 कांग्रेसी नेता मकर संक्रांति के अगले ही दिन अयोध्या की सरयू नदी में डुबकी लगाने और फिर 'राम लला' के दर्शन करने जा रहे हैं, उनके रामवाद और हिंदुत्व की परिभाषा क्या है? कांग्रेस के बड़े नेता कमलनाथ, अशोक गहलोत और गांधी परिवार के प्रिय आचार्य प्रमोद कृष्णम आदि की लंबी सूची है, जो चेतना से 'रामवादी' होने का दावा करते रहे हैं और प्रभु राम के दर्शन करने, अपनी सुविधा के अनुसार, अयोध्या धाम जाएंगे। कांग्रेस के भीतर यह विरोधाभास क्यों है? कांग्रेस ऐसे आध्यात्मिक और ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बने या राजनीतिक कारणों से बहिष्कार करे, यह उसकी सोच है। उससे हमारा कोई सरोकार नहीं, लेकिन वह 'आत्मघाती' साबित हो सकता है। समारोह को संघ परिवार का ही आयोजन करार देना पूर्णत= उचित नहीं है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनना चाहिए, यह सर्वोच्च अदालत की पांच न्यायाधीशों की पीठ का निर्णय था। संविधान पीठ ने ही प्रधानमंत्री मोदी को निर्देश दिए थे कि वह मंदिर-निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन करें। वह निर्णय कैबिनेट में लिया गया। यदि अयोध्या समारोह में भाजपा-विहिप के नेता, कार्यकर्ता सक्रिय दिख रहे हैं, तो उसमें क्या गलत है? संघ परिवार ने राम मंदिर के लिए बेहद लंबा संघर्ष किया है, आंदोलन में कारसेवकों ने 'कुर्बानियां' दी हैं। यदि इतने व्यापक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उनकी सरकारी टीम शामिल नहीं होगी, तो आम बंदोबस्त से लेकर सुरक्षा-व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी होगी? यदि इन दिनों में कोई अनहोनी हो गई, तो किसकी जवाबदेही तय की जाएगी? प्रशासन और इन व्यवस्थाओं के लिए भाजपा को लोकतांत्रिक जनादेश मिला है। बहरहाल कांग्रेस ने राम मंदिर का बहिष्कार किया है, तो यह उसकी पुरानी आदत है। श्रीराम तो सबके हैं और सभी 'राममय' हैं। राम भाजपा-कांग्रेस के नहीं हो सकते। एक राजनीतिक कारण तो स्पष्ट है कि अधिकतर उत्तरी भारत के राज्यों में कांग्रेस के पक्ष में 50 फीसदी तक मुस्लिम वोट आते रहे हैं। औसतन सबसे अधिक मुसलमान कांग्रेस को ही वोट देते हैं। आखिर कांग्रेस 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की निश्चित राजनीति को कैसे गंवा सकती है? हिंदुओं के वोट कांग्रेस के पक्ष में परंपरागत ही रह गए हैं। जहां भाजपा के साथ उसका सीधा चुनावी मुकाबला है, उन सीटों पर 70 फीसदी से अधिक हिंदू भाजपा को वोट देते हैं। यथार्थ यह है कि कांग्रेस सोच के स्तर पर हिंदू-विरोधी या राम-विरोधी नहीं है। महात्मा गांधी की दिनचर्या ही 'राम नाम' से होती थी। राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए राम मंदिर का ताला खुलवाया था। आमंत्रण अस्वीकार करना कांग्रेस की नीति हो सकती है।

राम या राम मंदिर का विरोध करनेवालों की नीयत क्या है?

श्रीराम भारतीय संस्कृति की चेतना के प्राण तत्व है। संपूर्ण भारतीय संस्कृति में राम नाम की महत्ता की चर्चा पाई जाती है। भगवान श्री राम साधन नहीं साध्य हैं। श्रीराम को धर्म जाति देश और काल में सीमित नहीं किया जा सकता। श्रीराम ने समूची वसुधा को सत्य के मार्ग का अनुसरण करना सिखाया है। जीवन के प्राण तत्व राम हैं। भारतीय लोक जीवन में राम का महत्व सदियों से रहा है। श्रीराम कण-कण में व्याप्त है। श्रीराम भारत राष्ट्र की शक्ति हैं। वे राष्ट्रीय ऊर्जा के स्रोत हैं। वे राष्ट्र के शरीर भी हैं और मन भी। ईश्वरीय सत्ता श्रीराम का शरीर धारण कर भारत भूमि पर उतरी थी। वे सम्पूर्ण मानवीय चेतना और संवेदना के पुंज थे। श्रीराम ने मनुष्य को मनुष्य का आचरण बताया था। मनुष्य को उत्कर्ष और उत्सर्ग की कला सिखायी थी। राम का जीवन आदि, मध्य और अन्त की कथा नहीं है। वह सनातन हैं, निरन्तर हैं, नित्य हैं, नूतन हैं।

सार्वकालिक और सार्वभौमिक हैं। श्रीराम के साथ रहना और उनके साथ चलना किसी दिव्य जीवन प्रवाह के साथ चलने जैसा है। उस दिव्य प्रवाह के साथ जो निरन्तर है, जिसमें हर क्षण नये-नये जल कणों का सम्मिलन होता रहता है, जिसका गन्तव्य वह महासागर है, जो असीम है, सीमाबद्धता जिसे अमान्य है। नित्य नयी लहर, नित्य नयी ऊर्जा के स्रोत हैं राम।

देश में एक ऐसा समूह भी है जो श्रीराम और राम मंदिर का विरोध करता है। इस समूह में राजनेता, राजनीतिक दल और तथाकथित बुद्धिजीवी शामिल है। इस समूह से अहम प्रश्न यह है कि जो लोग राम या राम मंदिर का विरोध करते हैं, उनकी नीयत क्या है? क्या वे अपनी स्थापनाओं के प्रति सचमुच ईमानदार हैं? क्या उनमें यह कहने का साहस है कि वे श्रीराम को पूर्णतः अस्वीकार करते हैं? क्या श्रीराम से जुड़ा जीवन दर्शन अराष्ट्रीय है?

भारत की पहचान का मूल तत्व राम नहीं तो और क्या है? यदि इन और इसी प्रकार के अन्य प्रश्नों का उत्तर वे नहीं देना चाहते, और यदि उत्तर देते भी हैं, तो हीलाहवाला करके देते हैं, तो यही कहना पड़ेगा कि वे सब डरे हुए लोग हैं, लोभी लोग हैं। केवल सत्ता के सौदागर हैं। लोकजीवन की मान्यताओं, राष्ट्रीय परम्पराओं और प्रेरणा पुरुषों से उन्हें कोई लेना-देना नहीं है।

इस खेमे के चरित्र का मर्म यह है कि यदि श्रीराम की भक्ति में वोट मिलताा होगा तो वे श्रीराम का एकमात्र भक्त होने की घोषणा कर देंगे और यदि श्रीराम को कोसने से सत्ता का समीकरण बनता दिखाई देता है तो श्रीराम को राष्ट्रघाती घोषित करने में उन्हें कोई संकोच नहीं होगा। आजादी के बाद से अब तक वे जिस गांधी के नाम की राजनीतिक हुण्डी भुनाते आए हैं, उसी गांधी रामराज्य और हिन्दू स्वराज्य का तिरस्कार भी इन्हीं लोगों ने किया है। वे लोहिया और जयप्रकाश के भक्त नहीं हैं। इनके लिए लोहिया, जयप्रकाश और नरेंद्र देव राजनीतिक जोड़ तोड़ का मसाला है।

राम से जुड़कर ही भारत अपना राष्ट्र सत्य प्राप्त कर सकता है। यह बात और है कि भारत का अपने राष्ट्र सत्य से जुड़ना कुछ ढोंगियों को भारी पड़ता है। उनका भविष्य गड़बड़ा जाता है। यही कारण है कि वे श्रीराम से ही नहीं, अपने आप से भी भयभीत हैं।

भारत के इतिहास और पुराण में, भारत की आध्यात्मिक विचारधारा में और इसके जन-मन में राम जिस गहराई से रचे-बसे हैं, वह स्वयं ही इस बात का प्रमाण है कि राम के बिना भारत के अस्तित्व की भी कल्पना नहीं की जा सकती। राम राष्ट्र हैं, राष्ट्र के प्राण भी हैं। राम राज्य हैं और राज्य के आदर्श भी हैं। राम भारत के लोक हैं, उसकी मंगलकामना भी हैं, राम घट-घट व्यापी ईश्वर हैं तो राम अयोध्या में सशरीर प्रकट होने वाले रामलला भी हैं।

कई सहस्त्र वर्ष पूर्व, जब विश्व के अधिकांश हिस्सों में शासक सिर्फ विजेता थे, जो प्रायः बर्बर हुआ करते थे, उस समय राम ने मानवता, त्याग और न्याय की अनुकरणीय भावना का प्रदर्शन किया। उनका सम्मान इसलिए नहीं किया जाता कि वह बाहरी दुनिया के विजेता थे, वह भीतरी जीवन के विजेता हैं, क्योंकि वह विपरीत परिस्थितियों में डगमगाते नहीं हैं। रावण को मारने के बाद भी उनकी आंखों में क्रोध नहीं दिखता, वह गिरे हुए रावण के शव के पास आते हैं और उन्हें जो कार्य करना पड़ा, उसके लिए पश्चाताप करते हैं। अपने जीवन की सारी चुनौतियों के बीच, वह कभी अपना संतुलन नहीं खोते, कभी मन में कड़वाहट या प्रतिशोध नहीं रखते। वह काफी हद तक छल-कपट या राजनीति से दूर रहते हैं और अपनी शक्ति के दुरुपयोग को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। समभाव रखने वाले राम समग्रता और आत्म-त्याग का जीवन जीते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, वे अपनी प्रजा के लिए अपनी खुशी त्यागने के लिए तैयार हैं। सबसे बढ़कर, मुक्ति को महत्व देने वाली संस्कृति में वह नकारात्मकता, स्वार्थ और अधमता से ऊपर उठकर स्वतंत्रता के प्रतीक हैं।

सार यह है कि, राम नायक इसलिए नहीं हैं, क्योंकि उनका जीवन उत्तम है, बल्कि इसलिए हैं क्योंकि वह एक असाधारण जीवन जीते हैं। इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुष कहा जाता है। और यदि रामराज्य को एक आदर्श के रूप में रखा जाता है, तो इसलिए क्योंकि वह एक न्यायपूर्ण राज्य का प्रतीक है, तानाशाही का नहीं। आज हम भारत को वही बनाना चाहते हैं और इसीलिए रामायण आज भी लगातार प्रासंगिक बना हुआ है।

राम का चरित्र इस बात का प्रमाण है कि भारतीय समाज कभी जाति और रंग के आधार पर बंटा नहीं था। सम्पूर्ण समाज ही भाईचारे और बंधुत्व के प्रेम के ताने-बाने से बुना हुआ था। अन्यथा राम हनुमान, सुग्रीव, अंगद, नल-नील, जामवंत सरीखे वनवासियों के साथ एक या एकरस कभी नहीं होते।

श्रीराम पग-पग पर अपने कृत्यों से एकता और समरसता तथा अभेदता का संदेश दे रहे हैं। शबरी के जूठे बैर का राम के द्वारा खाया जाना राम के अभेद दृष्टि और समरसता के महाभाव का सबसे अद्भुत और श्रेष्ठ उदाहरण है। वास्तव में भारत की समृद्ध परंपरा और संस्कृति में भगवान श्रीराम निश्चय ही सामाजिक समरसता के सबसे बड़े प्रतीक हैं। भगवान राम के जीवन आदर्शों से काफी कुछ सीखने का वक्त है।

राम की स्वीकार्यता सदियों से रही क्योंकि वसुधैव कुटुंबकम की संकल्पना राम की परंपरा है। राम मर्यादा के शिरोमणि हैं। दुनिया की सभी अच्छी वस्तुओं के मानक राम हैं। सहजता सरलता ही राम है। राम के मतों का जागरण किए बिना स्वयं व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता।

आज फिर वही श्रीराम अयोध्या में भारत की राजनीति के आदर्श रामराज्य की संकल्पना को साकार देखने के लिए अपने वैभव के साथ अपनी जन्मभूमि पर नवीन आभा के साथ पुनः विराजमान हो रहे हैं तो संपूर्ण मानवजाति के लिए भारत की ओर से नियति का यह संदेश सुना और सुनाया जाना ही चाहिए कि राम सभी के हैं, सभी जन राम के ही हैं। वह मर्यादा के आदर्श हैं, समन्वय के आधार हैं, जीव की सद्गति हैं, निरंतर सृजित होते और मिटते जीवन की वह चिर ध्वनि और संजीवनी हैं। अपने स्व में सदैव विराजमान राम रूपी अमृत को पाकर ही मानवता सदा के लिए संतुष्ट और सुखी हो सकती है, इसके सिवाय कोई रास्ता नहीं है। राम इस देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आदर्श हैं, क्योंकि वह स्थिरता, संतुलन, शांति, सत्य, पवित्रता, करुणा और न्याय के प्रतीक हैं। हम उन्हें इसलिए पूजते हैं क्योंकि उनमें एक महान सभ्यता के निर्माण के लिए जरूरी गुण समाए हैं।

राम से जुड़कर ही भारत अपना राष्ट्र सत्य प्राप्त कर सकता है। यह बात और है कि भारत का अपने राष्ट्र सत्य से जुड़ना कुछ ढोंगियों को भारी पड़ता है। उनका भविष्य गड़बड़ा जाता है। यही कारण है कि वे श्रीराम से ही नहीं, अपने आप से भी भयभीत हैं। इस देश को आज नहीं तो कल रामरूप में ही प्रकट होना है। श्रीराम इस सृष्टि की सनातन सत्ता हैं, वे चुनाव परिणामों और सत्ता राजनीति की जोड़ तोड़ के मोहताज नहीं हैं। जो राजनीति इस सनातन सत्ता से जुड़ेगी वही देश का प्रतिनिधि होगी, शेष सभी छल है और आत्म प्रवंचना है। श्रीराम की सुस्थापनाओं से जुड़े बिना देश को उसका अभीष्ट मिल पाना संभव नहीं है।

-आशीष वशिष्ठ
(लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार हैं)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे उमा! मैंने उसको इसीलिए नहीं समझाया कि मैं श्री रघुनाथजी की कृपा से उसका मर्म (भेद) पा गया था। उसने कभी अभिमान किया होगा, जिसको कृपानिधान श्री रामजी नष्ट करना चाहते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कछु तेहि ते पुनि मैं नहिं राखा। समुझइ खग खगही कै भाषा॥
प्रभु माया बलवंत भवानी। जाहि न मोह कवन अस ग्यानी॥

फिर कुछ इस कारण भी मैंने उसको अपने पास नहीं रखा कि पक्षी पक्षी की ही बोली समझते हैं। हे भवानी! प्रभु की माया (बड़ी ही) बलवती है, ऐसा कौन ज्ञानी है, जिसे वह न मोह ले॥

दो0-ग्यानी भगत सिरोमनि त्रिभुवनपति कर जान।
ताहि मोह माया नर पावँर करहिं गुमान॥

जो ज्ञानियों में और भक्तों में शिरोमणि हैं एवं त्रिभुवनपति भगवान के वाहन हैं, उन गरुड़ को भी माया ने मोह लिया। फिर भी नीच मनुष्य मूर्खतावश घमंड किया करते हैं॥

सिव बिरंचि कहुँ मोहइ को है बपुरा आन।
अस जियँ जानि भजहिं मुनि माया पति भगवान॥

यह माया जब शिवजी और ब्रह्माजी को भी मोह लेती है, तब दूसरा बेचारा क्या चीज है? जी में ऐसा जानकर ही मुनि लोग उस माया के स्वामी भगवान का भजन करते हैं॥

गयउ गरुड़ जहँ बसइ भुसुण्डा। मति अकुंठ हरि भगति अखंडा॥
देखि सैल प्रसन्न मन भयउ। माया मोह सोच सब गयऊ॥

गरुड़जी वहाँ गए जहाँ निर्बाध बुद्धि और पूर्ण भक्ति वाले काकभुशुण्डि बसते थे। उस पर्वत को देखकर उनका मन प्रसन्न हो गया और (उसके दर्शन से ही) सब माया, मोह तथा सोच जाता रहा॥

करि तड़ाग मज्जन जलपाना। बट तर गयउ हृदयँ हरषाना॥
बृद्ध बृद्ध बिहंग तहँ आए। सुनै राम के चरित सुहाए॥

तालाब में स्नान और जलपान करके वे प्रसन्नचित्त से वटवृक्ष के नीचे गए। वहाँ श्री रामजी के सुंदर चरित्र सुनने के लिए बूढ़े-बूढ़े पक्षी आए हुए थे॥

क्रमशः

सुरक्षा तो हमारी संसद की सबसे छोटी समस्या

पिछले माह तीन युवकों और एक महिला ने संसद की सुरक्षा का उल्लंघन किया और सांसद के चैंबर के साथ-साथ इमारत के बाहर भी हंगामा किया और 'भगत सिंह जिंदाबाद' और 'निरंकुशता नहीं चलेगी' जैसे नारे लगाए। सुरक्षा की चिंताओं पर हमारे राजनीतिक दलों को एकजुट करने के बजाय, इस घटना ने एक राजनीतिक हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष का दावा है कि यह दिखाता है कि युवा सरकार की नीतियों से असंतुष्ट हैं। सरकार का कहना है कि विपक्ष अराजकता फैला रहा है और चुनावों में अपनी हालिया हार के बाद इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है। संसद में विपक्ष के विरोध के कारण उनके 140 से अधिक सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा दोनों से 'अनियंत्रित व्यवहार' के लिए निलंबित कर दिया गया। और दोनों सदनों को बिना कोई कामकाज किए कई दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया।

यह घटना दिखाती है कि हमारी संसद व्यवधान और विरोध का स्थान बन गई है, और इसके अलावा इसका कोई उपयोग नहीं। संसदीय निष्क्रियता हर गुजरते साल के साथ बढ़ रही है क्योंकि इसके डिजाइन में कुछ गंभीर, मौलिक खामियां हैं।

सबसे पहले इस विषय पर विचार करें कि संसद का नियंत्रण किसके हाथों में है। हमारी संसद में राष्ट्रपति और दो सदन ङ्क लोकसभा और राज्यसभा शामिल हैं। राष्ट्रपति के पास किसी भी सदन को बुलाने, सत्रावसान करने या भंग करने की शक्ति है। लेकिन राष्ट्रपति उद्घाटन भाषण देने के अलावा संसद में कहीं नजर नहीं आते हैं। हमारे संविधान ने राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री के अधीन बना दिया है।

यह परिस्थिति जवाबदेही की एक घुमावदार समस्या पैदा करती है, क्योंकि प्रधानमंत्री को संसद द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए, न कि उलट। पीएम लोकसभा में बहुमत का नेता होने के नाते सदन के अध्यक्ष का चुनाव करता है और इस प्रकार सदन को नियंत्रित करता है। जब बहुमत मजबूत हो ङ्क जैसा कि अभी है ङ्क तो प्रधानमंत्री उपराष्ट्रपति, यानी राज्यसभा के पीठासीन अधिकारी को भी चुन सकते हैं। इस प्रकार, वास्तव में, संसद भी प्रधानमंत्री के अधीन है।

यह घुमावदार समस्या भारत द्वारा ब्रिटिश संसदीय प्रणाली को अपनाने से बहुत पहले स्पष्ट थी। ब्रिटिश संवैधानिक विद्वान आइवर जेनिंग्स ने 1941 में लिखा था, 'सिद्धांत यह है कि सदन सरकार को नियंत्रित करता है। हालांकि, सच्चाई यह है कि सरकार के बहुमत का सदस्य अपनी सरकार को हराना नहीं चाहता है।'

भारतीय सिस्टम में संसद केवल प्रधानमंत्री के नियंत्रण में ही नहीं, बल्कि न तो वह और न ही उनका मंत्रिमंडल सदन में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य हैं। सांसदों के सवाल पूछने और मंत्रियों के जवाब देने की प्रथा पूरी तरह से परंपरा पर आधारित है। यहां तक कि इंग्लैंड में भी ब्रिटिश पीएम संसद में सवालों के जवाब देने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य नहीं हैं। यह प्रथा लगातार रूप से केवल 1961 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री हेरोल्ड मैकमिलन के कार्यकाल में शुरू हुई। इसे ब्रिटिश कानूनों में स्पष्ट रूप से नहीं लिखा गया है।

भारतीय संसद का एक और बुनियादी दोष यह है कि यह हमारे विशाल और विविध राष्ट्र का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व करती है, जिस कारण यह वास्तव में राष्ट्रीय चर्चाओं के लिए अनुपयुक्त है।

यही कारण हैं कि संसद बहस के लिए निरर्थक हो चुकी है। इतिहास बताता है कि हमारी संसद दशकों से बिना बहस के कानून पारित करती रही है। कुछ उदाहरणों पर गौर करें : 1990 में चंद्रशेखर सरकार ने दो घंटे से भी कम समय में 18 विधेयक पारित किए; 2001 में 32 घंटों में 33 बिल पारित किए गए; 2007 में लोकसभा ने 15 मिनट में तीन विधेयक पारित किए; 2021 में 20 विधेयक बिना किसी बहस के पारित हुए। स्वाभाविक है कि लोकसभा की बैठकों में भी कमी आई है। यह 1952-70 में प्रत्येक वर्ष 121 दिनों के लिए बैठती थी, लेकिन अब औसत केवल 68 दिन है।

अन्य लोकतांत्रिक देशों की तुलना में हमारी संसद नागरिकों का कम प्रतिनिधित्व करती है और यह उत्तरी प्रदेशों के पक्ष में एकतरफा है। औसतन, एक भारतीय सांसद 2.4 मिलियन नागरिकों का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि अमरीका में यह संख्या 748,000 है; पाकिस्तान में यह 576,000 है, और जापान में केवल 273,000 है। राजनीतिक विश्लेषक मिलन वैष्णव और जेमी हिंटसन का अनुमान है कि 2011 की जनगणना के आधार पर लोकसभा में सांसदों की संख्या 545 से बढ़कर 848 हो जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश में 143 सीटें और केरल में केवल 20 सीटें होनी चाहिए। वर्ष 1973 के बाद से लोकसभा सीटों की संख्या में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

यह कम प्रतिनिधित्व वाली संसद और भी निष्क्रिय हो जाती है क्योंकि हमारे सांसदों को दल-बदल विरोधी कानूनों के तहत अपनी अंतरात्मा के आधार पर वोट देने की अनुमति नहीं है। उन्हें पार्टी लाइन का पालन करना आवश्यक है। भारत के प्रतिष्ठित संवैधानिक विद्वान एजी नूरानी ने लिखा है कि यह 'विधायकों को बंधक बना देता है।' इस संसदीय प्रणाली के तहत प्रधानमंत्री को बहुमत की गारंटी होती है।

ये सब दोष हमारी संसद को एक घातक संयोजन बना देते हैं —एक प्रधानमंत्री द्वारा नियंत्रित संस्था, जिसे उनके चुने हुए पीठासीन अधिकारियों द्वारा चलाया जाए, जिसमें सांसदों का बहुमत निश्चित हो, और जिन्हें अपनी पार्टी लाइन के साथ मतदान करना जरूरी हो।

यही कारण हैं कि संसद बहस के लिए निरर्थक हो चुकी है। इतिहास बताता है कि हमारी संसद दशकों से बिना बहस के कानून पारित करती रही है। कुछ उदाहरणों पर गौर करें = 1990 में चंद्रशेखर सरकार ने दो घंटे से भी कम समय में 18 विधेयक पारित किए; 2001 में 32 घंटों में 33 बिल पारित किए गए; 2007 में लोकसभा ने 15 मिनट में तीन विधेयक पारित किए; 2021 में 20 विधेयक बिना किसी बहस के पारित हुए। स्वाभाविक है कि लोकसभा की बैठकों में भी कमी आई है। यह 1952-70 में प्रत्येक वर्ष 121 दिनों के लिए बैठती थी, लेकिन अब औसत केवल 68 दिन है।

सांसदों के निलंबन के साथ भी यही कहानी है = अध्यक्ष के पास विशेषाधिकार है और वह वही करता है जो बहुमत चाहता है। यह प्रथा 1954 में शुरू हुई जब राज नारायण को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया; उन्हें कुल चार बार निलंबित किया गया। 1962 में कांग्रेसी गोदे मुराहारी को सदन से मार्शल द्वारा हटाया गया था। यूपीए शासन के दौरान 50 निलंबन हुए थे, एनडीए पहले ही दोगुनी संख्या से अधिक निलंबित कर चुका है। पिछले हफ्ते, स्पीकर ने एक सांसद को अमर्यादित व्यवहार के लिए निलंबित कर दिया, लेकिन वह व्यक्ति उस समय सदन में भी नहीं था।

दशकों से हम भारतीय प्रजातंत्र नहीं, बल्कि एक 'चुनावी निरंकुशता' की ओर बढ़ते जा रहे हैं। यह खिताब (यानी चुनाव हैं, पर सरकारें निरंकुश) वर्ष 2021 में भारत को स्वीडन की संस्था वी-डेम इंस्टीट्यूट द्वारा दिया गया। यदि हम वास्तव में एक बेहतर लोकतंत्र चाहते हैं, तो हमें अपनी प्रणाली की मूलभूत खामियों को ठीक करना होगा।

-भानु धमीजा

राशिफल

पौष शुक्ल - पंचमी | (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन चिड़चिड़ा सा रहेगा। आर्थिक स्थिति में उतार- चढ़ाव होगा। यात्रा में कष्ट के संकेत हैं।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सरकारी तंत्र का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक स्थिति मध्यम रहेगी। प्रेम-संतान मध्यम।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
सरकारी तंत्र से बच कर रहियेगा। भाग्य में अड़चन आयेगी। मान-सम्मान पर ठेस पहुंचेगी। स्वास्थ्य,प्रेम,व्यापार मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान मध्यम, व्यापार अच्छा। सरकारी तंत्र से लाभ मिलेगा। नौकरी-चाकरी को लेकर संकेत हैं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
सिंह राशि की स्थिति मध्यम है, आपका स्वास्थ्य मध्यम है। जीवनसाथी का साथ और स्वास्थ्य दोनों मध्यम है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे, रुक हुआ कार्य चल पड़ेगा। थोड़ा डिस्टरबेन्स बना रहेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
प्रेम में तू-तू, में-में, बच्चों की सेहत को ले कर के मन परेशान रहेगा। मानसिक उलझन बना रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में खलल पड़ेगी, घरेलू सुख बाधित रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम संतान मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
नाक,कान, गले की परेशानी हो सकती है। व्यवसाय की स्थिति भी मध्यम दिख रही है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन हानिके संकेत हैं। निवेश करने से बचियेगा। जुबां पर नियंत्र रखिये। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम संतान की स्थिति ठीक ठाक है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
ऊर्जा का स्तर घटता बढ़ता रहेगा, एक नेगेटिविटी सी बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा, प्रेम संतान ठीक है। व्यापार भी ठीक है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
अनाप-शनाप खर्चे होंगे, मन परेशान रहेगा। अज्ञात भय सताएगा, स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम संतान मध्यम। व्यापार भी मध्यम।

पं. दीनदयाल के सपनों को साकार कर रही है मोदी सरकार : डा. महेश शर्मा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कासना मंडल के जमालपुर एवं दलेलपुर गांव पहुंची। यात्रा पहुँचने पर भव्य स्वागत किया गया। जमालपुर गांव में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं लोकसभा सांसद डॉक्टर महेश शर्मा रहे। उन्होंने लोगो को विकसित भारत संकल्प के लिये शपथ दिलायी।

उन्होंने कहा कि यह सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था। उसको साकार करने के लिए लगी हुई है जन कल्याणकारी राज्य की परिकल्पना को चरितार्थ करने का कार्य मोदी सरकार काम कर रही है। सरकारी योजनाओं का लाभ सीधा लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। पहले की सरकारों में जो योजनाएं केंद्र एवं प्रदेश व सरकार द्वारा बनाई जाती थी बिचोलिए उन पर भ्रष्टाचार करते थे। लेकिन जब से केंद्र में मोदी सरकार व प्रदेश में योगी सरकार आई है। योजनाओं का सीधा लाभ गरीब जनता तक पहुंच रहा है। मोदी गारंटी की गाड़ी गाँव-गाँव जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी और लाभार्थियों को लाभ देने का काम कर रही है।

इस अवसर पर अभियान के संयोजक रवि जिन्दल, दिनेश भाटी, हरिदत्त शर्मा, ज़िला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, महेश शर्मा, राहुल पंडित, ओमकार भाटी, सोनू वर्मा, पंकज कौशिक, श्याम शर्मा, नोडल अधिकारी जीतेन्द्र सिंह गौड़, आलोक, रंजन आदि सैकड़ों लाभार्थी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सांसद ने किया लोगों से संवाद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं गौतमबुधनगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कल 'सांसद आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत दादरी चोंना, पंचकुला अल्फ़ा, बीटा गामा अपार्टमेंट के लोगों से आत्मीय संवाद किया। और उनकी समस्याओं को सुना। डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से दादरी विधायक तेजपाल नागर, जिला अध्यक्ष अमित चौधरी, गीता पंडित, प्रेम प्रधान, मुकेश चौहान, देवा भाटी, मनोज शिसोदिया, एचके शर्मा, कर्मवीर आर्य, राहुल पंडित, महेश शर्मा, गजेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

किसान सभा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान सभा की जिला कमेटी की बैठक हुई। जिसमें उषा देवी और प्रशांत भाटी को जिला सचिव के पद पर सर्वसम्मति से चुना गया। अखिल भारतीय किसान सभा गौतमबुद्धनगर की जिला कमेटी की आवश्यक मीटिंग जैतपुर ऑफिस पर आयोजित की गई। मीटिंग की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ रूपेश ने व की संचालन महासचिव जगबीर नंबरदार ने किया।

आईआईए की हुई मुख्य सचिव के साथ बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आईआईए द्वारा उद्यमी महासम्मेलन में प्रदेश के मुख्य सचिव एवं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बैठक की। जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश गोयल एवं चेयरमैन शशांक शेखर गुप्ता भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्य सचिव को जीएसटी विभाग से उद्यमियों को हो रही अनावश्यक परेशानियों से अवगत कराया, जिसपर मुख्य सचिव ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अपर मुख्य सचिव, नितिन रमेश गोकर्ण को आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिए।

आई0 आई0 ए0 द्वारा रखी गई समस्याओं के संबंध में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश, अपर मुख्य सचिव राज्य कर एवं अपर मुख्य सचिव एमएसएमई द्वारा कई विशेष निर्णय लिए गए।

भाजपाईयों ने मंदिरों में की सफाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपाईयों ने कल मंदिरों में स्वछता अभियान चलाया। भाजपा के ज़िला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश व्यापी आवाहन पर 14 जनवरी से 21 जनवरी तक देश के सभी तीर्थस्थान मंदिर पर स्वच्छता अभियान के तहत ज़िले में रहने वाले सभी राष्ट्रीय, राज्य, क्षेत्रीय सांसद, विधायक, जन प्रतिनिधि एवं ज़िला पदाधिकारियों को तीर्थ स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान के लिये सभी के लिए कार्यक्रम तय किए गए हैं।

सभी कार्यकर्ता अभियान में जुट कर मन्दिरों में साफ़ सफ़ाई करेंगे। स्वच्छता अभियान में मुख्य रूप से ज़िला महामंत्री दीपक भारद्वाज, मनोज गर्ग, धर्मेंद्र कोरी, योगेश चौधरी, सेवानन्द शर्मा, सुनील भाटी, सतेंद्र नागर, पवन रावल, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, रवि जिन्दल, पवन नागर, राहुल पंडित, सत्यपाल शर्मा, गुरुदेव भाटी, रिंकु भाटी, अमित पंडित, विकास चौधरी अनीता गौतम पंकज रावल सचिन शर्मा मौजूद रहे ।

भाजपा नेता ने किया श्रमदान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर कल भाजपा जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र नागर ने गाँववासियों के साथ अपने पैतृक गाँव जुनेदपुर में स्थित प्राचीन सिद्ध बाबा मंदिर में स्वच्छता अभियान में सहभागिता कर श्रमदान किया।

इस अवसर पर जयबीर खलीपा, आलोक नागर, सूरज शर्मा, बीरसिंह, कमल नागर, हरीश, रवींद्र, धीरज सिंह, संजय प्रधान, संजय सरपंच, मनोज मास्टर, नरेंद्र नागर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सपा अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव बने लाट साहब लोहिया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एडवोकेट एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता लाट साहब लोहिया को समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा का प्रदेश सचिव नामित किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह घोषणा कल की है लाट साहब लोहिया के प्रदेश सचिव बनने पर बेगराज गुर्जर, सुभाष भाटी, रामशरण नागर, नवीन भाटी, देवेंद्र टाइगर, अभिषेक लोहिया, सुखबीर सिंह आदि लोगों ने बधाई दी है।

सुरक्षा को लेकर चलाया चैकिंग अभियान

जेवर (चेतना मंच)। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा व गणतंत्र दिवस को लेकर कस्बे में एसीपी जेवर के नेतृत्व में सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए रविवार को सघन चैकिंग अभियान चलाया गया।

एसीपी जेवर प्रवीण कुमार सिंह ने बीडीडीएस व एलआईयू ? टीमों के अलावा पुलिस बल के जवानों को साथ लेकर कस्बे के मैन बाजार, अम्बा मॉल,सिटी मॉल समेत आदि स्थानों पर सुरक्षा की दृष्टिगत रखते हुए चैकिंग अभियान चलाया गया चैकिंग अभियान जेवर सर्किल में गणतंत्र दिवस तक जारी रहेगा।

अखिलेश ने लोस. चुनाव पर विस. अध्यक्षों के साथ किया मंथन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर उत्तर प्रदेश के सभी विधानसभा अध्यक्षों के साथ प्रदेश कार्यालय लखनऊ में एक बैठक की। बैठक में अखिलेश यादव ने विधानसभा अध्यक्षों से लोकसभा चुनाव की तैयारी और लोकसभा चुनाव लड़ने वाले संभावित उम्मीदवारों पर विस्तार से चर्चा की।

इस बारे में जानकारी देते हुए समाजवादी पार्टी के दादरी विधानसभा के अध्यक्ष रोहित मत्ते गुर्जर ने बताया कि लोकसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 11 जनवरी को लखनऊ में उत्तर प्रदेश की सभी विधानसभाओं के अध्यक्षों की बैठक बुलाई थी, जिसमें गौतमबुद्ध नगर जिले से दादरी विधानसभा के अध्यक्ष रोहित मत्ते गुर्जर, जेवर विधानसभा के अध्यक्ष ठाकुर राजेश रोही और नोएडा विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान शामिल हुए थे। जिले के नेताओं ने जनपद गौतमबुद्ध नगर की जनता और किसानों की समस्याओं के बारे में राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया है।

उन्होंने बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर में विभिन्न किसान संगठन अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। जिसकी जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किसानों का पूरा साथ देने और उनकी समस्याओं को विधानसभा में उठाने का आश्वासन दिया है।

भारत विकसित संकल्प यात्रा कार्यक्रम आयोजित

भदोही (चेतना मंच)। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में कल जनपद के विभिन्न मंडलों में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने विस्तृत रूप से जानकारी दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी मोदी की गारंटी जिस तरह से काम कर रही है आगे भी निरंतर करती रहेगी 22 जनवरी को प्रभु श्री राम का भव्य प्राण प्रतिष्ठा मूर्ति मंदिर में स्थापित की जाएगी। उसके बाद तमाम श्रद्धालु जनता जनमानस को समर्पित कर भारतीय जनता पार्टी अपने सिद्धांत अपने कर्तव्य को पूर्ण करते हुए जो वादा किया था उसको करके निभाया मंदिर वहीं बनाएंगे तारीख नहीं बताएंगे अध्यक्ष ने कहा विपक्षी के मुंह पर एक बड़ा तमाचा होगा विपक्षी कहते थे। भारतीय जनता पार्टी सिर्फ मंदिर का मुद्दा लेकर आती है। चुनाव के समय काम कुछ नहीं करती तो मैं विपक्षियों से कहना चाहता हूं भारतीय जनता पार्टी काम में विश्वास रखती है और जो कहती है उसको करके दिखाती है।

इस अवसर पर अशोक मिश्रा पूर्व जिला मंत्री दिनेश पांडेय गोवर्धन राय जिला मीडिया प्रभारी टीएन शुक्ला नंदलाल मोर्य राजेश शर्मा रमेश सोनकर सिल्वन्ता मौर्य ´आदि मौजूद रहे ।

जेवर में बैंड बाजों के साथ धूमधाम से निकाली गई श्रीराम अक्षत पूजित कलश यात्रा

जेवर (चेतना मंच)। श्री परशुराम धर्मशाला झाझर रोड़ जेवर से रविवार को भगवान श्रीराम की अयोध्या में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पूजित अक्षत कलश शोभायात्रा धुमधाम से निकाली गई।

भाजपा नेता रविंद्र शर्मा बौबी, मोनू गर्ग व आरआरएस कार्यवाहक पवन बाबा के नेतृत्व में परशुराम धर्मशाला से भगवान श्रीराम की होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पुजित अक्षत कलश शोभायात्रा यात्रा बैंड बाजों के साथ धुमधाम से निकाली गई जो झाझर रोड़ से प्रारम्भ हुई जो मैन चौराहा,नई अनाज मंडी,आजाद चौक,मैन बाजार, पुरानी अनाज मंडी, मौहल्ला होली चौक,मौहल्ला चामडवाला, टप्पल रोड़ होती हुई खुर्जा रोड़ स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल पर जाकर सम्पन्न हुई कलश शोभायात्रा में करीब तीन सौ महिलाओं के अलावा इस्कान मंदिर टोली व सुंदर कांड टोली के धर्म प्रेमियों ने भी भाग लिया।

इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष जेवर संजय रावत, मनोज जैन,रवि अग्रवाल, डाक्टर अशोक गुप्ता,लायक राम पहाड़िया, पूर्व चेयरमैन ओमप्रकाश वर्मा, वेद प्रकाश गर्ग, हिमांशु मंगला, राजीव गर्ग, नीरज गोयल,डाक्टर जगमोहन शर्मा, रोहित ठाकुर,डाक्टर प्रदीप अत्री, प्रमोद मंगला,लक्ष्मन ऐलन समेत आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

पूजित अक्षत को वितरित कर लोगों को किया जागरूक

अयोध्या में भगवान श्री राम की होने जा रही प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व रामभक्तो ने गांव भवोकरा में टोली बनाकर पूजित अक्षत वितरित कर जय श्री राम के जयघोष लगाये जिससे गांव का माहौल राम मय हो गया।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष जेवर भोले चौधरी के नेतृत्व में विष्णु व कुशाल अत्री ने टोली बनाकर घर घर जाकर व राहगीरों को पुजित अक्षत व निमंत्रण पत्र वितरित किये जिनको पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे ।

भाजपा नेता भोले चौधरी ने गांव भवोकरा के ग्रामीणों से अनुरोध किया की 22 जनवरी को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होगी उस दिन अपने अपने मकानों पर दीपक जलाकर दीपावली मनाने का आहवान किया।

दिनेश भाटी बनाए गए जय हो सामाजिक संस्था के अध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जय हो सामाजिक संस्था की एक आवश्यक बैठक रविवार को पैरामाउंट गोलफोरेस्ट जीटा 2 में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक कपिल चौधरी और संचालन महासचिव परमानंद कौशिक द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के वर्तमान अध्यक्ष संदीप भाटी ने दिनेश भाटी एडवोकेट को संस्था का नया अध्यक्ष मनोनित किए जाने का प्रस्ताव रखा। जिसे संस्था के सभी सदस्यों के द्वारा करतल ध्वनि से सहमति प्रदान की और दिनेश भाटी को अध्यक्ष मनोनित किए जाने पर फूल मालाएं पहनाकर शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट, संस्थापक सदस्य रविंद्र रौसा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष याकूब मलिक, जिलाध्यक्ष सुनील कश्यप, विशाल नागर एडवोकेट, सभासद जावेद मलिक, गोल्डन फैडरेशन ग्रेटर नोएडा के महासचिव दीपक भाटी एडवोकेट, समाजसेवी अजय भाटी, पवन भाटी एडवोकेट, संदीप भाटी एडवोकेट, प्रशांत राठी एडवोकेट, मनोज कुमार एडवोकेट, यशराज खंडेलिया, नकुल बंसल, विक्रांत वर्मा आदि लोग मुख्यरूप से उपस्थित रहे।

बिरौडा में पूजित अक्षत का वितरण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिला अध्यक्ष चैनपाल प्रधान ने कल ग्राम बिरौडा में अयोध्या में बन रहे श्री राम मंदिर की भूमि पूजन एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूजित अक्षत को लोगों में वितरित किया।

उन्होंने इस अवसर पर लोगों से अपील करते हुए कहा कि आगामी 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान लोग अपने घरों में पांच-पांच दीप संकल्प के साथ अवश्य जलाएं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जगह एवं मंदिरों में साफ सफाई की का भी अभियान लोग चलाएं।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

माघ मेला-2024 : यात्रियों की सुविधा के लिए चलाई गई विशेष ट्रेन

प्रयागराज (ब्यूरो)। माघ मेला-2024 की तैयारियों को लेकर प्रयागराज मंडल के मंडल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा माघ मेले एवं प्रमुख स्नान पर्वों पर रेलवे द्वारा की गई तैयारी के विषय में मीडिया को अवगत कराया गया।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के संकल्प सभागार में हुई प्रेसवार्ता में मंडल रेल प्रबंधक, महोदय ने बताया कि सभी स्नान पर्वों पर 10 स्पेशल मेला एक्सप्रेस ट्रेनों की व्यवस्था की गई है जबकि मौनी अमावस्या पर 20 ट्रेनों एवं बसंत पंचमी पर 15 ट्रेनों की व्यवस्था की गयी है। यात्रियों की सुविधा के लिए 210 कामर्शियल स्टाफ, 450 रेलवे सुरक्षा बल कर्मी, स्काउट्स एवं गाइड्स, सिविल डिफेन्स को भी तैनात किया जा रहा है। इस माघ मेले में प्रयोग के तौर पर यात्रियों को टिकट के साथ-साथ यात्री आश्रयों के रंग के अनुरूप दिशावर अलग-अलग रंग के स्टिकर भी टिकट पर लगाए जाएंगे साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए रेट्रो रिफ्लेक्टिव एरो मार्क्स भी लगाए गए हैं। यात्री आश्रय में यात्रियों की सुविधा हेतु खान-पान, शौचालय, साफ सफाई की व्यवस्था का पूर्ण ध्यान रखा गया है।

रेलवे ने मेला प्रशासन से समन्वय बनाने के लिए प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मेला कंट्रोल रूम की स्थापना की है। मंडल रेल प्रबंधक ने आगे बताया कि हमने सुरक्षा की दृष्टि से रेलवे स्टेशन के सभी प्रवेश द्वार पर बेरिकेटिंग लगाकर सुरक्षा बढ़ाई है और स्कैनिंग व जांच के बाद ही स्टेशन पर प्रवेश की अनुमति दी है इसके साथ ही ट्रायल के तौर पर लीडर रोड पर बाहर की ओर टिकट काउंटर्स की व्यवस्था की है। जिसे कुंभ 2025 में और भी विस्तृत रूप दिया जाएगा।

मंडल प्रबंधक ने बताया कि माघ मेले में प्रमुख स्नान पर्वों के दिन एंट्री केवल सिटी साइड से होगी तथा निकास सिविल लाइन साइड से होगा, इसके साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए सिविल लाइन साइड से दो निकास द्वार बनाए गए हैं एक तीसरे मार्ग के पास स्मिथ रोड से (फुट ओवर ब्रिज सं. 01) और दूसरा सातवें मार्ग से। स्टेशन पर मौजूद सभी फुट ओवर ब्रिज पर दिसावार मूवमेंट कराया जाएगा किसी भी प्रकार का क्रॉस मूवमेंट नहीं होगा। माघ मेले के दौरान स्नान पर्वों के दिन गाड़ी आने के आधे घंटे पहले ही आरक्षित यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने की अनुमति दी जाएगी।

इस अवसर पर अपर मण्डल रेल प्रबंधक/ सामान्य संजय सिंह ने बताया कि रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज जंक्शन के सभी प्लेटफार्मों पर मेडिकल बूथ बनाए गए हैं इसके साथ ही प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर 02 एंबुलेंस एवं प्रयागराज क्षेत्र के अन्य स्टेशनों जैसे नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयागराज जंक्शन प्रयागराज रामबाग और झूंसी रेलवे स्टशन पर एक-एक एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु माघ मेला क्षेत्र में टिकट काउंटर एवं पूछताछ काउंटर की व्यवस्था की गई है।

अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक,प्रयागराज /सामान्य संजय सिंह, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/प्रयागराज श्रीकृष्ण शुक्ला, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक /प्रयागराज हिमांशु शुक्ला उपस्थित रहे।

नोएडा से चार किशोरियों का अपहरण

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से चार किशोरियों संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है और किशोरियों की तलाश कर रही है।

थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के बरौला गांव में रहने वाले राजीव (काल्पनिक नाम) ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उनकी 15 वर्षीय बेटी 12 जनवरी को घर से बाहर गई थी। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी उन्होंने पड़ोस में रहने वाले नितिन तोमर नाम के युवक पर अपनी बेटी के अपहरण का शक जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। थाना फेस दो क्षेत्र के नागला चरण दास गांव में रहने वाले मनोज (काल्पनिक नाम) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बीते 25 दिसंबर को उसकी नाबालिक बेटी को मेरठ निवासी अभिषेक बहला-फुसलाकर भगा कर ले गया। उसके गांव के रहने वाले कपिल व रोहित ने भी उसकी लड़की को भगाने में अभिषेक की मदद की।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना कासना क्षेत्र के साइट 5 से अपने घर से मार्केट के लिए निकली 17 वर्ष की तो किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं थाना दनकौर क्षेत्र के एक गांव से दसवीं कक्षा की छात्रा को पड़ोस में रहने वाला युवक अनार सिंह बहला-फुसलाकर ले गया है किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है की किशोरियों की तलाश की जा रही है।

ट्रैक्टर ट्राली चोरी करने वाला गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली चोरी करने वाले उल्लू गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी के तीन ट्रोला, टायर व अन्य पार्ट्स बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर समर सिंह उर्फ प्रधान निवासी जानी मेरठ को गिरफ्तार किया गया है इसके निशानदेही पर चोरी के तीन ट्रोला, ट्रैक्टरों के चार टायर वह अन्य पार्ट्स बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस इस गिरोह के पांच सदस्यों को पूर्व में गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के ट्रैक्टरों को बरामद कर चुकी है इस मामले में एक अन्य वंचित की पुलिस सर गर्मी से तलाश कर रही है।

दो युवकों ने की आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिले हैं। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच पड़ताल में जुटी हुई।

थाना फेस-1 प्रभारी ने बताया कि रविवार को सूचना मिली कि इलाहाबास गांव में एक निर्माणाधीन मकान में युवक का शव फंदे पर लटका हुआ है मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतर कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया मृतक के पास से मिले कागजातों के आधार पर उसकी पहचान खैर अलीगढ़ निवासी दिनेश पुत्र विजयपाल के रूप में हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि जिस मकान में दिनेश का शव मिला है उसका काम पिछले काफी समय से बंद पड़ा हुआ है। दिनेश ने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया इसके बारे में वजन भी कोई ठोस जानकारी नहीं दे पा रहे हैं।

वहीं थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छालेरा गांव में रहने वाले नागेंद्र शर्मा के बेटे आशुतोष ने अपने घर में फांसी लगा ली। आशुतोष को फंदे पर लटका देखकर परिजन उसे नीचे उतर कर अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने उसे अमृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी का कहना है कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है जिस कारण आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

प्लॉट पर निर्माण करने से रोका

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 में एक व्यक्ति ने दो लोगों के खिलाफ प्लॉट पर निर्माण कार्य न करने देने तथा चार दिवारी व कमरे को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर 92 नोएडा निवासी नरेंद्र कुमार झा ने बताया कि उसने वर्ष 2019 में पुराना सूफियाना गांव में करीब 1000 वर्ग मीटर जमीन खरीदी थी। उसके परिचित रजत पीलवन ने भी साझेदारी में जमीन खरीदने को कहा था। लेकिन दोनों के बीच साझेदारी नहीं चली। बीते 3 सितंबर को रजत पीलवान अपने साथी शक्ति के साथ उसके प्लॉट पर पहुंचा और चार दिवारी तथा कमरे को तोड़कर तहस-नस कर दिया इस बात की जानकारी मिलने पर जब वह अपने प्लॉट पर बेटे के साथ पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी गाली-गलौज की। नवेंद्र कुमार झा का आरोप है कि रजत पीलवन अपनी दबंगई दिखाते हुए उसे प्लॉट पर निर्माण कार्य नहीं करने दे रहे हैं।

महादेव ऐप गिरोह का गैंगस्टर गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 पुलिस गैंगस्टर के एक्ट में वांछित चल रहे आरोपों को गिरफ्तार किया है पकडा गया आरोपी महादेव गेमिंग एप गिरोह का सदस्य है। पुलिस इस गिरोह के दो सदस्यों को गैंगस्टर एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर-37 बस अड्डे के पास से गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे अक्षय तिवारी को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पूर्व में अक्षय तिवारी सहित 18 लोगों को महादेव गेमिंग एप के जरिए ऑनलाइन सट्टेबाजी के आरोप में गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने इस मामले में 18 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। पुलिस अक्षय तिवारी सहित दो लोगों को गैंगस्टर एक्ट के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

पृष्ठ एक के शेष....

ना INDIA ना NDA, किसी ...

पार्टी बसपा पूरे देश में अपने बूते पर अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी। मायावती ने कहा कि अपनी पार्टी के जनाधार को बनाए रखना बहुत जरूरी है।

गठबंधन का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा, 'गठबंधन करने से पार्टी को फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है और हमारा वोट प्रतिशत भी घट जाता है और अन्य दल के फायदा पहुंच जाता है। इसलिए अधिकांश पार्टी बीएसपी से गठबंधन कर चुनाव लड़ना चाहती हैं। हमारी पार्टी अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़कर बेहतर नतीजे लाएगी। हम इसलिए चुनाव अकले लड़ते हैं क्योंकि इसका सर्वोच्च नेतृत्व एक दलित के हाथ है। गठबंधन करके बीएसपी का पूरा वोट गठबंधन की पार्टी को चला जाता है जबकि उस गठबंधन का वोट, विशेषकर अपर कास्ट वोट बसपा को नहीं मिलता है।'

मायावती ने कहा कि बसपा यूपी विधानसभा चुनाव भी अकेले लड़ चुकी है और अकेले सरकार भी बना चुकी है. उन्होंने कहा कि बीएसपी किसी को फ्री में समर्थन नहीं देगी लेकिन चुनाव के बाद गठबंधन के बारे में वह विचार कर सकती हैं. मायवती ने कहा कि हमारी पार्टी देश में जल्दी ही घोषित होने वाले लोक सभा चुनाव दलितों आदिवासियों अति पिछड़ों मुस्लिमों और अल्पसंख्यकों के दम पर अकेले ही चुनाव लड़ेगी.

केंद्र पर निशाना

मायावती ने कहा कि आज कल की सरकारें नाम बदल कर घोषणाएं करने में लगी है जिनका वास्तविकता से लेना देना नही है। बीजेपी कांग्रेस की सोच सिद्धांत और जातिवादी सोच है। बीजेपी का नाम लिए बगैर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा धर्म और संस्कृति की आग में राजनीति की जा रही है जिससे लोकतंत्र कमजोर हो रहा है।

मायावती ने कहा कि हमने यूपी में अपनी 4 बार की सरकार में सभी वर्गो के लिए काम किया, उसमे अल्पसंख्यक, गरीब, मुस्लिम, किसान और अन्य मेहनतकश लोगों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की थी.सरकारें नाम और स्वरूप बदल कर अपना बनाने का प्रयास कर रही हैं लेकिन जातिवादी होने के कारण यह काम नहीं हो पा रहा है। रोजगार के साधन देने के बजाय फ्री में थोड़ा सा राशन देकर इनको अपना मोहताज बना रहे हैं जबकि हमने अपनी सरकार के दौरान वर्तमान सरकारों की तरह अपना मोहताज नहीं बनाया बल्कि सरकारी और गैर सरकारी चेत्रों में रोजगार के साधन दिए।

उन्होंने कहा, 'बहुजन समाज के लोगों और अल्पसंख्यंको से कहना चाहूंगी कि आपने रोजगार और मान सम्मान के लिए, आगे आने वाली पीढ़ी के लिए, आपके संतो गुरुओं और महापुरुषों , अंबेडकर के रास्ते पर चलकर बीएसपी को मजबूत बनाना है'।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के न्योते पर मायावती ने कहा, 'मुझे निमंत्रण मिला है, इसका मैंने वहां जाने का फैसला नही किया है क्योंकि पार्टी के काम में व्यस्त हूं। लेकिन जो भी कार्यक्रम होने जा रह है हमे एतराज नहीं है, स्वागत करतें हैं.आग चलकर बाबरी को लेकर कुछ होगा तो उसका भी स्वागत करेंगे'।

भगवान राम की...

दीवारों पर देवी-देवताओं की मूर्तियां उकेरी हैं।

22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर है। नई तस्वीरों में मंदिर के बाहर की भव्यता दिख रही है। मंदिर के खंभों से लेकर हर हिस्से में की गई खूबसूरत नक्काशी का नजारा दिखाई दे रहा है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर परिसर की ये नई तस्वीरें साझा कीं। नई तस्वीरों में मंदिर के अंदर का नजारा भी दिख रहा है। मंदिर के अंदर की खूबसूरती और भव्यता इन तस्वीरों के माध्यम से दिखाई गई हैं।

तीन मंजिला राम मंदिर पारंपरिक नागर शैली में बनाया गया है। मुख्य गर्भगृह में श्रीराम लला की मूर्ति है और पहली मंजिल पर श्री राम दरबार होगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, राम मंदिर में 5 मंडप (हॉल) होंगे। इसमें नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना और कीर्तन मंडप।

देवताओं, देवी-देवताओं की मूर्तियां मंदिर के स्तंभों और दीवारों को सुशोभित करती हैं। 32 सीढ़ियां चढ़कर श्रद्धालु सिंहद्वार से एंट्री कर सकेंगे। मंदिर के चारों तरफ आयताकार परकोटा रहेगा। मंदिर में दिव्यांग और बुजुर्ग तीर्थयात्री के लिए भी विशेष सुविधाएं हैं। रैंप और लिफ्ट भी हैं।

मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि मंदिर के पास एक ऐतिहासिक कुआं (सीता कूप) है, जो प्राचीन काल का है। इसके अलावा, 25,000 लोगों की क्षमता वाला एक तीर्थयात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) का निर्माण किया जा रहा है। यह तीर्थयात्रियों के लिए चिकित्सा सुविधाएं और लॉकर सुविधा प्रदान करेगा।

1. मंदिर का पारंपरिक नागर शैली में निर्माण हो रहा है।

2. मंदिर की लंबाई (पूर्व से पश्चिम) 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट है।

3. मंदिर तीन मंजिला है, जिसकी प्रत्येक मंजिल 20 फीट ऊंची है। इसमें कुल 392 खंभे हैं। 44 दरवाजे हैं।

4. मुख्य गर्भगृह में भगवान श्रीराम का बचपन का स्वरूप (श्री राम लला की मूर्ति) है, जबकि पहली मंजिल पर श्रीराम का दरबार होगा।

5. पांच मंडप (हॉल) - नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना और कीर्तन मंडप।

6. देवी-देवताओं, देवी-देवताओं की मूर्तियां खंभों और दीवारों पर उकेरी गई हैं।

7. राम मंदिर में प्रवेश पूर्व दिशा से है, सिंह द्वार से 32 सीढ़ियां चढ़कर प्रवेश होगा।

8. दिव्यांगों और बुजुर्गों की सुविधा के लिए रैंप और लिफ्ट की व्यवस्था होगी।

9. मंदिर के चारों तरफ आयताकार परकोटा होगा। चारों दिशाओं में इसकी कुल लंबाई 732 मीटर और चौड़ाई 14 फीट है।

10. राम मंदिर परिसर के चारों कोनों पर चार मंदिर होंगे, इनमें सूर्य देव, देवी भगवती, गणेश भगवान और भगवान शिव को समर्पित होंगे। उत्तरी भुजा में मां अन्नपूर्णा का मंदिर, जबकि दक्षिणी भुजा में हनुमान जी का मंदिर है।

लिविंग में रहने...

इन रिलेशनशिप में रह रही थी। नीरज और सुमन ने मकान किराए पर लेते समय खुद को पति-पत्नी बताया था। प्रारंभिक जांच के दौरान नीरज ने बताया कि वह सुमन के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रहा था। सुमन व नीरज दोनों एक कंपनी में काम करते थे। मृतका के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि परिजन अगर शिकायत देते हैं तो मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी के चरित्र...

बीवी के चरित्र पर संदेह होने के कारण उसने विपिन कुमार की हत्या करने की योजना बनाई। योजना के तहत उसने अपने दोस्त श्यामवीर को पूरी बात बताते हुए उसे हत्या के लिए तैयार किया। 10 जनवरी को जॉनी शराब पीने के बहाने विपिन कुमार को ककराला पुश्ते पर ले गया। यहां जॉनी विपिन तथा श्यामवीर ने शराब पी। विपिन जब शराब के नशे में हो गया तो दोनों ने मिलकर रस्सी से उसका गला घोटकर हत्या कर दी और उसके शव को ग्रीन बेल्ट की झाड़ियों में फेंक दिया। इसके बाद उन्होंने विपिन का मोबाइल फोन अपने पास रख लिया और उसके खाते से 8475 रुपए निकल लिए एडीसीपी ने बताया कि विपिन की हत्या अवैध संबंधों के शक को लेकर की गई है दोनों आरोपियों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है।

ट्रैक्टर से कुचलकर...

के लोगों ने दबोच लिया गंभीर स्थिति में शिवानी के परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत की जानकारी मिलने पर उसके परिवार में कोहराम मच गया। बच्चों के पिता की शिकायत पर थाना दनकौर पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है पुलिस ने ट्रैक्टर को भी सीज कर दिया है।

महिला के चेहरे...

करने पर जान से मारने की धमकी दी है। महिला का आरोप है कि उक्त व्यक्ति फोन पर उस पर एसिड डालने की भी धमकी दे रहा है। मनचले युवक ने चेतावनी दी है कि अगर उसने पुलिस से शिकायत की तो उसके गंभीर परिणाम होंगे और उसे अपनी जान से हाथ धोना पड़ेगा। मनचले युवक की धमकियों से घबराई महिला ने थाना बिसरख में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी का कहना है कि महिला द्वारा उपलब्ध कराए गए फोन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

युवक कांग्रेस के ...

इस चुनाव में पश्चिमी उप्र के प्रदेश महासचिव के पद पर शाहबुददीन को चुना गया। महासचिव के पद पर कुल 32 प्रत्याशी चुनाव मैंदान में थे। शाहबुददीन ने सभी को पछाड़ते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। बता दें कि शाहबुददीन कांग्रेस नोएडा महानगर के पूर्व अध्यक्ष के अलावा पीसीसी सदस्य भी हैं।

इस चुनाव में जिला अध्यक्ष पद की दौड़ में चार लोगों ने चुनाव लड़ा था जिसमें युवक कांग्रेस के राष्टीय सचिव व दादरी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके दीपक भाटी चोटीवाला के भाई मोहित भाटी के अलावा कपिल भाटी व अविनाश बैसोया शामिल थे। जावेद खान ने सभी को पछाड़कर भारी मतों से जिला अध्यक्ष पद की जीत दर्ज की। नोएडा विधानसभा अध्यक्ष पद की दौड़ में पांच लोगों ने चुनाव लड़ा था। जिसमें नीरज अवाना के अलावा राम गुप्ता, राजकुमार मोनू , जितेंद्र चौधरी तथा प्रेम भाटी शामिल थे।

युवा कांग्रेस का परिणाम

नोएडा विधानसभा सभा

(1)नीरज आवाना 2488 पद निर्वाचित अध्यक्ष

(2) प्रेम पाल 1018 उपाध्यक्ष

(3) जितेंद्र चौधरी 114 उपाध्यक्ष

(4)राम चन्द्र गुप्ता 53 महासचिव

(5) राजकुमार मोनू 07 सचिव

दादरी विधानसभा युवा कांग्रेस परिणाम

(1) जितेंद्र शर्मा अध्यक्ष 382 अध्यक्ष

(2) बालकिशन भाटी 186महासचिव

(3)दीपक राना 35 महासचिव

(4) सतेन्द्र 39 महासचिव

ज़ेवर विधानसभा युवा कांग्रेस परिणाम

(1) अन्नू 54 अध्यक्ष

(2)आकाश 2 महासचिव

जिला अध्यक्ष गौतम बुध नगर युवा कांग्रेस परिणाम

(1) जावेद खान 2549 अध्यक्ष

(2) मोहित भाटी 1707 उपाध्यक्ष

(3) कपिल भाटी 110 उपाध्यक्ष

(4) अविनाश बैसोया 19 महासचिव

पश्चिम उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस परिणाम प्रदेश महासचिव

(1) शाहबुद्दीन 2931

(2)अंकित लोहिया 420

पश्चिम उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस परिणाम अध्यक्ष

(1) पारस शुक्ला 8497

(2) दीपक शर्मा 6183

(3) कृष्ण प्रताप सिंह 5107

दबंगों ने किया...

हाथों में लोहे की रॉड, हथौड़े डंडे व अवैध हथियार थे। आरोपियों ने उन्हें जबरन घर से बाहर निकलने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए घर की बाउंड्री वॉल को तोड़ने लगे। इस दौरान उसके बेटे ने जब इसका बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। आस पड़ोस के लोग लोगों के आने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। विमलेश का कहना है कि आरोपी पूर्व में भी अवैध कब्जा करने की नीयत से उसके ऊपर हमला कर चुके हैं।

इस मामले में भी न्यायालय में याचिका दायर कर रिपोर्ट दर्ज करने की गुहार लगाई गई थी। विमलेश का कहना है कि दबंग की इस हरकत से वह तथा उसके परिजन खासे भयभीत हैं। पूर्व में भी कई बार आरोपियों द्वारा उनके साथ इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा चुका है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस भर्ती की...

विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान कुछ लोग मौके पर पहुंच गए इसके बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा से...

एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि थाना रबूपुरा पुलिस तथा एलआईयू की टीम ने संयुक्त रूप से विदेशी नागरिकों के सत्यापन के लिए रविवार को अभियान चलाया था। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि सुपरटेक गोल्फ कंट्री सोसाइटी में कुछ नाइजीरियन रह रहे हैं। पुलिस में जब इन नाइजीरियन के पासपोर्ट, वीजा व अन्य दस्तावेजों की जांच की तो पता चला कि उनकी वीजा अवधि समाप्त हो चुकी है। इसके पश्चात चार नाइजीरियन को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इनमें एक महिला भी शामिल है। पकड़े गए आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम,,1-Franklin Aliemek w- Neelima Isreael Nkoyeasua x- Danielgodstime Okonye व Agnes Uwimbabazi बताए।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी स्टडी वीजा पर भारत आए थे। चारों के वीजा की अवधि अलग-अलग तिथियों में समाप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सत्यापन के पश्चात चारों नाइजीरियन को उनके देश वापस भेजे जाने के लिए एलआईयू की टीम द्वारा विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ठंड से बचाव के...

पर रह रहा है। मनोज कुमार एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत है। शनिवार को वह नाइट ड्यूटी पर कंपनी चला गया था। रविवार सुबह जब वह ड्यूटी खत्म कर अपने कमरे पर पहुंचा तो उसे गायत्री व उसका बेटा बेसुध अवस्था में पड़े हुए मिले। पड़ोसियों की मदद से वह दोनों को नजदीक के अस्पताल में लेकर गया जहां चिकित्सक ने गायत्री को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ठंड से बचाव के लिए गायत्री ने छोटी अंगीठी जलाकर अपने कमरे में रख ली थी। अंगीठी की वजह से बंद कमरे में गैस बन गई और गायत्री तथा उसका बेटा बेसुध हो गए। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

खास खबर

मंत्री गिरिराज सिंह बोले- कांग्रेस के डीएनए में ही हिंदू विरोधी वायरस

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में तीन दिवसीय दौरे पर आए मुखर हिंदूवादी नेता एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने रायपुर पहुंचते ही कांग्रेस पर हमलावर हो गए। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी के राम मन्दिर के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण स्वीकार नहीं करने पर हिंदू विरोधी कहते हुए जमकर भड़ास निकाला है। मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में ही हिंदू विरोधी का वायरस है। गिरिराज सिंह ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट के निमंत्रण पत्र को सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के द्वारा अस्वीकार कर देना ही हिंदू विरोधी विचारधारा को प्रदर्शित करता है। उन्होंने पुराना किस्सा बताते हुए कहा कि जब सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण हो रहा तो उस समय के तत्कालीन मुख्यमंत्री के निमंत्रण को भी अस्वीकार करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को यह कहते हुए मना कर दिया था कि मैं बाय डिफॉल्ट हिंदू हूं। यही परंपरा उनके डीएनए में चली आ रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह शनिवार को सिविल लाइंस के न्यू सर्किट हाउस में राज्य के ग्रामीण विकास, भूमि संसाधन एवं पंचायती राज अधिकारियों के साथ बैठक किया। उन्होंने कहा की पिछली सरकार ने यहां को लोगों को ठगा है उसे दुरस्त करने का वक्त आ गया है । छत्तीसगढ़ की डबल इंजन की सरकार अब कैसे प्रदेश में बेहतरी से काम करे और आम नागरिकों को कैसे इसका सीधा फायदा होगा उसके लिए सभी के साथ बैठक करना आवश्यक है।

रुपए नहीं मिले तो हत्या कर दी जाएगी, अतीक गैंग के गुर्गे ने मांगा 20 लाख गुंडा टैक्स; दी धमकी

लखनउ, एजेंसी। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के नौ महीने बीत गए लेकिन उसके गैंग का आतंक अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अब जेल में बंद एक अपराधी के नाम पर 20 लाख रुपये गुंडा टैक्स मांगने का मामला सामने आया है। अतीक अहमद के गुर्गों ने धमकी दी है कि अगर रुपये नहीं मिले तो हत्या कर दी जाएगी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। धूमनगंज निवासी परवेज अख्तर ने नफीस और उसके बेटे फहद और रिकाह आलम और जेल में बंद कमर हारून के खिलाफ रंगदारी व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को बताया कि 15 दिसंबर 2023 को वह काम से शहर जा रहा था। सूबेदारगंज पहुंचा था कि रास्ते में फहद व रिकाह आलम और नफीस ने रोक लिया। धमकाया कि तुम हमारे इलाके में बहुत पैसा कमा रहे हो। हम लोगों को कमर हारुन ने भेजा है। 20 लाख रुपये गुंडा टैक्स की मांग की। विरोध करने पर उसे तमंचा सटाकर धमकी दी। कहा कि रुपये नहीं देने पर जान से मार देंगे। परवेज के माफी मांगने पर छोड़ा और बोला कि रुपये उन्हें जेल में बंद कमर भाई को भेजना है। साथ ही चेतावनी दी कि अगर इसकी शिकायत कहीं पर करोगे तो तुम्हारे परिवार को जान से मार डालेंगे। अतीक अहमद के गुर्गा बताकर परवेज ने मुकदमा दर्ज कराया है। अब धूमनगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वंदे भारत को लेकर बड़ा फैसला, यात्रियों पर असर

मुंबई, एजेंसी। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह होना है। इसके लिए पीएम मोदी समेत छह हजार लोग शामिल होंगे। इसके बाद आने वाले दिनों में अयोध्या में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को राम मंदिर दर्शन करने में आसानी हो सके, इसके लिए भारतीय रेलवे भी काम कर रहा है। पिछले दिनों अयोध्या और दिल्ली के बीच वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत की गई थी। पीएम मोदी ने अयोध्या से खुद छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई थी, जिसके बाद चार जनवरी से अयोध्या और दिल्ली के बीच वंदे भारत चलने भी लगी। सात जनवरी से 15 जनवरी तक के लिए दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से अयोध्या के लिए चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को रद्द कर दिया गया था। दरअसल, उत्तर रेलवे अंतर्गत लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या छावनी, शाहगंज और जफराबाद रेल खंड में निर्माण कार्य चल रहा है, जिसकी वजह से वंदे भारत ट्रेन समेत कइयों पर असर पड़ा था। अब 15 जनवरी तक नहीं, बल्कि 22 जनवरी तक के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। माना जा रहा है कि इससे बड़ी संख्या में यात्रियों पर असर पड़ सकता है। बता दें कि दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से अयोध्या जाने वाली वंदे भारत का शेड्यूल भी पिछले दिनों जारी हो चुका था। कुछ दिनों तक यह ट्रेन चली भी, लेकिन फिर रेल खंड पर चल रहे कार्य की वजह से इसे कैंसिल कर दिया गया। यह ट्रेन आनंद विहार टर्मिनल से सुबह 6.10 पर चलती है और फिर सुबह 11 बजे कानपुर पहुंचती है। इसके बाद लखनऊ 12.25 पर और फिर ढाई बजे अयोध्या कैंट स्टेशन पहुंच जाती है। वहीं, वापसी में यह ट्रेन अयोध्या कैंट से दोपहर 3.20 पर चलती है।

पत्नी ने छोड़ा साथ तो खोली चाय की दुकान, बेवफा से जोड़ दिया नाम

कोटा , एजेंसी। राजस्थान का कोटा शहर आईआईटी एंट्रेंस और नीट की तैयारी और कोचिंग हब के लिए दुनिया भर में फेमस है। अब यहां एक चाय की दुकान जमकर सुर्खियां बटोर रही है। दरअसल पत्नी के छोड़ने के बाद युवक ने चाय की दुकान खोली और उसका नाम रखा है- बेवफा चाय वाला। इतना ही नहीं, चाय की दुकान पर शायरी लिखी हुई हैं और यहां कई वेरायटी की चाय मिलती है लेकिन सबके नाम के आगे बेवफा शब्द जुड़ा हुआ है।

कोटा में एक शख्स ने ऐसी दुकान खोली है जिसका नाम बेवफा चाय वाला रखा है। पत्नी के छोड़कर जाने के बाद शख्स ने ऐसा काम शुरू किया जो आज सिर्फ कोटा में ही नहीं प्रदेश के कई जिलों में पहचान बन गया है। कोटा की कोचिंग एरिया में खोली गई बेवफा चायवाला के नाम से इस दुकान पर जमकर भीड़ लगती है।

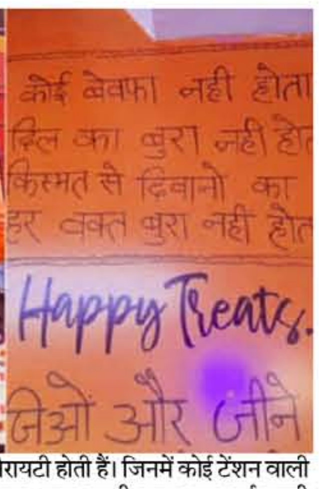

वेटर था इसलिए पत्नी ने छोड़ा साथ : बेवफा चायवाला दुकान शुरू करने वाले संचालक दीपक परिहार ने अपनी कहानी हमारे साथ साझा की। दीपक ने बताया कि वह दिल्ली में एक होटल में काम करते थे। इस दौरान उसकी शादी भी हो गई थी। पति-पत्नी के बीच कई बार किसी न किसी बात को लेकर झगड़े होते रहते थे। जिसका परिणाम यह हुआ कि दीपक अंदर से इतना टूट गया कि उसके पास अपने जीवन को समाप्त करने के अलावा कुछ नहीं बचा। लेकिन अचानक ही उसने अपना इरादा बदला और जिंदगी को जीने का तरीका सोचा। इसके बाद उसने खुद का काम करने की शुरुआत कर दी और कोटा में एक बेवफाचाय वाले नाम की दुकान शुरू कर दी। इस दुकान के शुरू करने के दौरान कई चुनौतियां भी आई लेकिन दीपक ने हार नहीं मानी और चुनौतियों का सामना करते हुए लोगों के खासकर युवाओं के दिलों में अपनी जगह बना डाली।

चाय की अलग-अलग वेरायटी : संचालक दीपक परिहार का कहना है कि यहां पर चाय की अलग-अलग वैरायटी होती हैं। जिनमें कोई टेंशन वाली चाय, प्यार वाली चाय, सर दर्द वाली चाय, सुकून वाली चाय, दोस्त वाली चाय, यार वाली चाय है। इसके साथ ही बेवफा के आंसू के नाम की चाय भी यहां बनती है। सुनने में भले ही अजीब लगे लेकिन इन नामों की चाय यहां पर काफी फेमस है। जो लोगों को अपनी और खींचती है। जवाहर नगर इलाके में खुली बेवफा चाईवाले की दुकान पर सुबह से शाम तक युवाओं की भीड़ देखने को मिलती है।

दुकान की दीवारों पर लिखी हैं शायरियां : ग्राहक जैसे ही बेवफा चाय वाले की दुकान में अंदर दाखिल होते हैं तो सभी दीवारों पर अलग-अलग शायरियां देखने को मिलती हैं। जिसमें बेवफाई के अलावा जिंदगी को जीने के तरीके से जुडी लाइनें लिखी हुई हैं। इनमें से एक स्लोगन में लिखा है कोई बेवफा नहीं होता, दिल का बुरा नहीं होता........ नया शहर है नए सपने हैं, कभी-कभी तो घर की याद आती होगी, लेकिन सपने पूरे करने भी जरूरी हैं। दीवार पर लिखे ये स्लोगन यहां आने वाले ग्राहकों को अपनी ओर खींचते हैं।

दीपक दे रहे हैं 16 लोगों को रोजगार : बेवफा चाय की दुकान की कहानी से अलग हटकर बात की जाए तो दीपक बताते हैं कि उनका मकसद लोगों को रोजगार से जोड़ना भी है। दीपक का कहना है कि चाहे लाइफ में कितने उतार चढ़ाव आ जाए लेकिन हर नहीं माननी चाहिए और जिंदगी को अलग तरीके से जीना चाहिए। दीपक ने जब यह दुकान शुरू की थी तब उसके पास काम करने वाले लोग नहीं थे। लेकिन धीरे-धीरे उसने 16 लोगों को रोजगार से जोड़ दिया। यह सभी लोग अब अपने घर परिवार की जीविका चला रहे हैं। दीपक का यह भी कहना है कि वेटर से मालिक तक का सफर तय करने में भले ही कई उतार चढ़ाव आए हो। लेकिन उन्होंने जिंदगी को चुनौती से कम नहीं समझा और जवाहर नगर के अलावा कुन्हाड़ी लैंडमार्क सिटी में भी एक और दुकान खोल दी।

पीएम मोदी नहीं, राष्ट्रपति करें अयोध्या में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा; बोले उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को मांग की कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करें, क्योंकि यह राष्ट्र के गौरव और देश के स्वाभिमान का मामला है। ठाकरे ने कहा कि वह मुर्मू को नासिक स्थित कालाराम मंदिर का दर्शन करने के लिए आमंत्रित करेंगे। अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन ठाकरे कालाराम मंदिर का दर्शन करेंगे।

ठाकरे ने पहले घोषणा की थी कि वह 22 जनवरी को अपनी पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ नासिक स्थित प्रतिष्ठित कालाराम मंदिर जाएंगे और गोदावरी नदी के तट परमहा आरती करेंगे। इसके एक दिन बाद यानी 23 जनवरी को नासिक में पदाधिकारियों के एक सम्मेलन का भी आयोजन होगा, जहां ठाकरे एक रैली को भी संबोधित करेंगे।

ठाकरे ने कहा कि गुजरात में सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद आयोजित समारोह की अध्यक्षता देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने की थी। उन्होंने कहा, यह (अयोध्या राम मंदिर) राष्ट्र के गौरव और देश के स्वाभिमान का मामला है, इसलिये प्राण-प्रतिष्ठा राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा की जानी चाहिए। राममंदिर ट्रस्ट के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट की और उन्हें अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया।

इस प्रतिनिधिमंडल में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता रामलाल और राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा शामिल थे। ठाकरे ने कहा कि 1992 में कार सेवा का हिस्सा रहे शिवसैनिकों को भी नासिक में सम्मानित किया जाएगा।

सोनिया पर अपमानजनक टिप्पणी के कारण आंध्र के उपमुख्यमंत्री के खिलाफ हैदराबाद में मामला दर्ज

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद पुलिस ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के. नारायण स्वामी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।तेलंगाना राज्य कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मल्लू रवि की शिकायत पर बेगम बाजार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। नारायण स्वामी ने सोनिया गांधी को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुई मौत से जोड़ते हुए कुछ टिप्पणियां की थीं।मल्लू रवि ने कुछ अन्य नेताओं के साथ मिलकर पिछले हफ्ते शिकायत दर्ज कराई थी।पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले को कानूनी राय के लिए भेज दिया था।कानूनी राय लेने और नारायण स्वामी द्वारा की गई टिप्पणियों के वीडियो फुटेज का विश?लेषण करने के बाद पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) और 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया।मल्लू रवि की शिकायत के बाद नारायण स्वामी ने अपनी टिप्पणी दोहराई थी। उन्होंने कहा था कि सिर्फ उन्हें ही नहीं, बल्कि आंध्र प्रदेश की पूरी आबादी को उस हेलीकॉप्टर दुर्घटना पर संदेह है, जिसमें वाईएसआर की मौत हुई थी।उन्होंने कहा कि वाईएसआर की मौत के पीछे टीडीपी अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और सोनिया गांधी का हाथ है।

हिमाचल में रद्द होगा 15 साल पुराने सरकारी वाहनों का पंजीकरण

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शनिवार को कहा कि 15 साल पुराने सरकारी वाहनों का पंजीकरण रद्द किया जायेगा। बता दें कि मुकेश अग्निहोत्री के पास परिवहन विभाग भी है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि राज्य में छह स्क्रैपिंग केंद्र स्थापित किए जाएंगे और स्क्रैपिंग नीति के तहत इन केंद्रों की स्थापना की जाएगी। इसको लेकर सरकार ने एक गजब का प्लान भी बनाया है। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन रद्द करने के बाद सभी वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदला जायेगा। उपमुख्यमंत्री ने इसे परिवहन विभाग में सुधारों का वर्ष बताते हुए कहा कि निजी वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र स्वचालित परीक्षण स्टेशनों के माध्यम से जारी किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि कुल दुर्घटनाओं में से 50 प्रतिशत दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राजमार्गों पर होती हैं और ज्यादातर सड़क दुर्घटनाओं का कारण मानवीय भूल होती है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना संभावित हिस्सों (ब्लैक स्पॉट) की पहचान के लिए लोक निर्माण विभाग और जिला प्रशासन की मदद से सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

अग्निहोत्री ने कहा कि राज्य में 22,43,524 वाहन हैं, जिनमें 19,25,593 निजी और 3,17,931 वाणिज्यिक वाहन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में 2,811 इलेक्ट्रिक वाहन हैं, जिनमें से ज्यादातर दोपहिया वाहन हैं और इनमें से 2,412 निजी वाहन तथा 399 वाणिज्यिक वाहन हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को दी जाने वाली 500 ई-टैक्सी के लिए 1,221 आवेदन प्राप्त हुए हैं और चंडीगढ़ से केलांग रोड पर सात इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी के अंत तक ऐसे 17 और स्टेशन चालू हो जाएंगे।

एक साल में 300 करोड़ बढ़ा परिवहन विभाग का राजस्व : मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि जब सरकार आई तो परिहवन विभाग का राजस्व 500 करोड़ था। पिछले एक वर्ष में विभाग में आय अर्जित करने के लिए कई नए कदम उठाए गए और अब राजस्व बढ़कर 800 करोड़ रुपए पहुंच गया है। मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि उनका लक्ष्य परिवहन विभाग का राजस्व 1000 करोड़ करने का है। मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि प्रदेश में 22,43,524 गाड़ियां हैं। जिनमे 19,25,593 गाडियां निजी हैं। वहीं व्यवसायिक गाड़ियों की संख्या 3179711 है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में 2811 इलेक्ट्रिक गाडियां है जिनमें निजी गाड़ियां 2412 और व्यवसायिक गाड़ियां 399 हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार ई-टैक्सी की व्यवस्था शुरू की जा रही है, इसके तहत 500 गाड़ियां 50 प्रतिशत अनुदान के लिए दी जाएगी। ई-टैक्सी के लिए अभी तक 521 आवेदन आए हैं।

4 राज्यों में आईएनडीआईए का दबदबा, सीट शेयरिंग नहीं भी हुई तो नहीं है कोई घाटा

नईदिल्ली, एजेंसी। आईएनडीआईए गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत जारी है। घटक दलों के बीच सीटों को लेकर आम सहमति बनाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस पार्टी ने इसके लिए एक टीम का भी गठन किया है, जो कि अलग-अलग राज्यों की रीजनल पार्टी के नेताओं से मुलाकात कर रही है। शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिलने के लिए उनके आवास पर पहुंचे। इस दौरान राहुल गांधी भी वहां मौजूद थे। ऐसा माना जा रहा है कि दिल्ली में सीट शेयरिंग को लेकर आप और कांग्रेस के बीच सहमति बन गई है। हालांकि, पंजाब को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं हुई है। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठता है कि अगर पंजाब में दोनों के बीच गठबंधन नहीं हुआ तो इसका असर इंडिया गठबंधन की सेहत पर पड़ेगा? इस सवाल का जवाब जानने के लिए 2017 के विधानसभा चुनाव के नतीजे को विस्तार से समझने की आवश्यक्ता है, जिसमें सपा और कांग्रेस का गठबंधन हुआ था। इस चुनाव में अखिलेश यादव ने कांग्रेस को 114 सीटें दी थी। वहीं, खुद 311 सीटों

पर लड़े थे। परिणाम गठबंधन के खिलाफ साबित हुई। सपा को 47 और कांग्रेस को सिर्फ सात सीटों पर जीत मिल सकी। इस चुनाव के बाद अखिलेश यादव ने निर्णय लिया कि वह कभी भी राष्ट्रीय पार्टियों के साथ गठबंधन नहीं करेंगे और छोटे दलों को साथ लेकर चलेंगे। 2022 में उन्होंने यह किया और परिणा 2017 की तुलना में बेहतर साबित हुए। पश्चिम बंगाल- ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस लगातार कह रही है कि वह कांग्रेस को दो-तीन से अधिक सीटें नहीं देगी। यहां अगर कांग्रेस, वाम दल और टीएमसी के बीच सीट शेयरिंग नहीं भी होती है तो इंडिया गठबंधन की सेहत पर इसका असर नहीं होगा। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि यहां टीएमसी और बीजेपी में आमने-सामने की लड़ाई है। कांग्रेस यहां काफी कमजोर है। वाम दलों का गढ़ भी बीते कुछ चुनावों में ध्वस्त हो चुका है। ऐसे में ममता की पार्टी जितनी अधिक सीटों पर लड़ेगी और जीतेगी तो फायदा इंडिया गठबंधन को ही होगा। पंजाब- बॉर्डर राज्य पंजाब में आम आदमी पार्टी फिलहाल सबसे बड़ी पार्टी है। यहां उसकी सरकार है। उसने कांग्रेस को हराकर ही यहां सत्ता पर कब्जा किया था। इस राज्य में भाजपा की हैसियत काफी कमजोर है। अकाली दलों के साथ फिलहाल किसी भी दल का गठबंधन नहीं है। यहां भी कांग्रेस की भाजपा से सीधी लड़ाई नहीं है। ऐसे में पंजाब में चाहे कांग्रेस जीते या फिर आम आदमी पार्टी फायदा इंडिया गठबंधन को ही होगा। केरल- लेफ्ट पार्टी शासित राज्य केरल की भी ऐसी ही स्थिति है। यहां भारतीय जनता पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग से भी कमजोर है। यहां असली लड़ाई कांग्रेस और वामपंथी दलों के गठबंधन के बीच है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का खाता तक नहीं खुला था। ऐसे में अगर यहां भी कांग्रेस और वामपंथी दलों के बीच गठबंधन नहीं होता है।

मकर संक्रांति पर प्रयागराज में सुरक्षा घेरा तैयार

प्रयागराज , एजेंसी। माघ मेला के पहले स्नान पर्व मकर संक्रांति पर प्रयागराज में सुरक्षा का घेरा तैयार हो चुका है। एटीएस और एसटीएफ के कमांडो के साथ पांच हजार जवानों ने सुरक्षा की कमान संभाली है। इस बार माघ मेला में आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस की मदद से यातायात की निगरानी की जा रही है। सभी प्रमुख प्रवेश द्वारों पर पैरामिलिट्री ने सुरक्षा की जिम्मेदारी ली है। माघ मेला में लगे सीसीटीवी कैमरों से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है। मेले में सुरक्षा के लिए विशेष तैयारी की गई है। डीआईजी माघ मेला डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि पिछली बार माघ मेला की तुलना में इस बार 10 प्रतिशत अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

हर थाने में क्यूआरटी बनाई गई है। सुरक्षा के मद्देनजर बम निरोधक दस्ता और खोजी कुत्ता हर जगह चेकिंग कर रहे हैं। पार्किंग से लेकर संगम तक कैमरे से निगरानी की जा रही है। खुफिया एजेंसियों की मदद से पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर सादे में एक टीम तैनात किया है जो हर पल भीड़ के बीच मौजूद रहेंगे। पुलिसकर्मी बॉडीवार्न कैमरा लेकर श्रद्धालुओं बीच रहेंगे जिससे हर गतिविधि का पता चलता रहेगा। सर्विलांस की टीम विदेशी नंबरों पर नजर रखी है। वहीं एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम संगम नोज से लेकर प्रमुख स्नान घाटों पर मोर्चा संभाल लिया है। रेत पर चलने वाली गाड़ी से पुलिसकर्मी गश्त करेंगे।

भीड़ नियंत्रण के लिए सीटी का प्रयोग करेंगे पुलिसकर्मी, डंडा नहीं चलाएंगे माघ मेला के प्रथम

स्नान पर्व से पूर्व एडीजी जोन भानु भास्कर और पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने शनिवार को माघ मेला पुलिस लाइन में ड्यूटी पर आए पुलिसकर्मियों को ब्रीफ किया। जोश भरा कि यहां ड्यूटी सामान्य ड्यूटी से अलग है।

पुलिस अफसरों ने बताया कि श्रद्धालुओं व स्नानार्थियों के साथ सभ्य व शालीन व्यवहार करें। किसी से दुर्व्यवहार की शिकायत न मिलें। ड्यूटी के दौरान धैर्य बनाए रखें। भीड़ नियंत्रण के लिए केवल सीटी का प्रयोग करेंगे। डंडा नहीं चलाएंगे। स्नान घाटों पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ जमा न होने दें, ट्रैफिक डायवर्ट करें। पांटून पुलों पर भीड़ के अनुसार यातायात को चलाया जाएगा। संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों तथा लावारिस वस्तुओं पर विशेष ध्यान रखें। नाव संचालकों को निर्देशित करें कि लाइफ सेविंग जैकेट के बिना कोई श्रद्धालु न बैठे।

उत्तर भारत में ठंड का कहर, बर्फीली हवाओं ने किया बेहाल; मौसम विभाग का अलर्ट जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में इन दिनों ठंड अपने चरम पर है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर यूपी तक कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। कोहरे और बर्फीली हवाओं ने लोगों की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ा दी हैं। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम में अब तक का सबसे कम तापमान रहा। राजधानी के कई इलाकों में घना कोहरा भी छाया रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। रेलवे के मुताबिक, घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 18 ट्रेनें एक से छह घंटे की देरी से चलीं। आईएमडी ने रविवार को शीत लहर का प्रकोप जारी रहने का अनुमान जताया। दिल्ली में रविवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान 19 और 4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

पंजाब, हरियाणा में भीषण शीतलहर का प्रकोप : पंजाब और हरियाणा में शीतलहर का प्रकोप जारी है। कई जगहों पर पारा गिरकर 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। दोनों राज्यों के कई हिस्सों में सुबह कोहरा छाया हुआ है। लोगों को आवाजाही में दिक्कतें पेश आ रही हैं। रविवार को भी ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। आज भी पंजाब और हरियाणा के

अलग-अलग हिस्सों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। हरियाणा में नारनौल 3 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ शनिवार को सबसे ठंडा स्थान रहा। अंबाला में भी ठंड की स्थिति बनी रही और यहां न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। करनाल में न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस पर बना रहा। पंजाब में भी ठंड की स्थिति से कोई राहत नहीं मिली। अमृतसर, लुधियाना और पटियाला में न्यूनतम तापमान क्रमश- 7.2, 4.9 और 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों राज्यों की साझा राजधानी चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड से कुछ राहत मध्य प्रदेश में वातावरण में नमी के कम होते ही बादलों के छटने से लोगों को अब कड़ाके की ठंड से राहत मिली है। राज्य में बीते कई दिनों तक वर्षा और सर्द हवाओं के प्रभाव से कड़ाके की ठंड से गुजरा। प्रदेश की राजधानी भिंड, ग्वालियर, मुरैना और मऊगंज जिले में मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। दतिया, शिवपुरी, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले में हल्के से मध्यम कोहरा देखा गया। भोपाल मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने बताया कि राज्य में मौसम का मिजाज शुष्क रहने की संभावना है।

सात्विक-चिराग मलेशिया ओपन बैडमिंटन का फाइनल हारे

चाइनीज प्लेयर्स ने फाइनल हराया, टूर्नामेंट का सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय बने

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को मलेशिया ओपन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ गया। 3 गेम चले फाइनल में दोनों को चीन के वांग-लियांग की जोड़ी ने 9-21, 21-18, 21-17 के अंतर से हरा दिया। सात्विक-चिराग को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा लेकिन वे मलेशिया ओपन में सिल्वर मेडल जीतने वाली भी पहली ही भारतीय जोड़ी बनी। उनसे पहले कोई भी भारतीय किसी कैटेगरी के फाइनल तक भी नहीं पहुंच सका था।

पहला गेम आसानी से जीता – सात्विक-चिराग ने मेंस डबल्स कैटेगरी के फाइनल मुकाबले का पहला गेम असानी से जीता। भारतीय जोड़ी ने चीन के वांग-लियांग को 21-9 से एकतरफा अंदाज में हराया। फिर दूसरे गेम में चाइनीज जोड़ी ने वापसी की। इस गेम को भारतीय जोड़ी को 18-21 से हार झेलनी पड़ी। अब मैच स्कोर 1-1 था। तीसरे गेम में सात्विक-चिराग ने एक समय 7-2 से बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन चाइनीज जोड़ी ने वापसी की और स्कोर 16-14 से अपने पक्ष में कर लिया। चाइनीज जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी और 21-17 के अंतर से तीसरा गेम जीतकर गोल्ड अपने नाम कर लिया।

पहली बार 3 गेम तक पहुंचा मैच – सात्विक और चिराग का मैच पहली बार तीसरे गेम तक गया। इससे पहले 4 मैच दोनों ने सीधे गेम में जीत लिए थे। फाइनल में पहला गेम जीतने के बाद लगा कि दोनों आसानी से दूसरा गेम भी जीत लेंगे, लेकिन दूसरा गेम 3 पॉइंट के अंतर से गंवाने के बाद दोनों ने तीसरा गेम 4 पॉइंट के अंतर से गंवा दिया।

मलेशिया ओपन में अब तक कोई भारतीय नहीं जीता –मलेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 1937 से खेला जा रहा है। टूर्नामेंट के रिजल्ट पेरिस ओलिंपिक 2024 के लिए शटलरों को क्वालिफाइंग रैंकिंग पॉइंट्स देंगे। बैडमिंटन के लिए क्वालिफिकेशन विंडो पिछले साल 1 मई को शुरू हुई थी।मलेशिया ओपन में अब तक किसी भी भारतीय ने खिताब नहीं जीता। सात्विक-चिराग से उम्मीदें थीं, लेकिन वे भी गोल्ड नहीं जीत सके।

एंटोनसेन ने जीता मेंस सिंगल्स – कुआलालम्पुर में मलेशिया ओपन सुपर-1000 बैडिमिंटन टूर्नामेंट खेला गया। 9 जनवरी को शुरू हुए टूर्नामेंट में अलग-अलग कैटेगरी के फाइनल 14 जनवरी को हुए। मेंस सिंगल्स का खिताब एलेक्स एंटोनसेन ने जीता। उन्होंने फाइनल में चीन के वायक्यू शी को 21-14, 21-13 से हराया। विमेंस सिंगल्स में साउथ कोरिया की आन सी यंग ने ताईवान की ताई जू यिंग को 10-21, 21-10, 21-18 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। विमेंस डबल्स में चाइनीज जोड़ियों के बीच ही फाइनल की जंग हुई। तान नींग और एस लुई की जोड़ी ने झेंग-झांग की जोड़ी को 21-18, 21-18 के अंतर से हराया। मिक्स्ड डबल्स में जापान के वातानाबे और हिगाशिनो की जोड़ी ने साउथ कोरिया के किम और जियोंग की जोड़ी को 21-18, 21-15 से हराया।

पेरिस ओलंपिक

निशानेबाज विजयवीर सिद्धू ने भारत को 17वां कोटा दिलाया

जकार्ता (एजेंसी)। भारत के विजयवीर सिद्धू ने एशिया ओलंपिक क्वालीफायर की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश को 17वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया। इस तरह वह 25 मीटर रैपिड फायर में पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाकर सीनियर साथी अनीश भानवाला के साथ शामिल हो गए। अनीश ने पिछले साल कोरिया के चांगवान में एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इस स्पर्धा का ओलंपिक कोटा हासिल किया था। पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में टीम कांस्य पदक विजेता 21 वर्ष के विजयवीर को कोटा हासिल करने के लिए पदक जीतने का इंतजार नहीं करना पड़ा। उन्होंने 577 के स्कोर से चौथे स्थान से फाइनल में क्वालीफाई करते ही कोटा हासिल कर लिया था। शनिवार को फाइनल में पहुंचने वाले छह में से चार निशानेबाजों को कोटा स्थान मिलना तय था। चंडीगढ़ के विजयवीर ने एलिमिनेशन राउंड में 28 का निशाना लगाते ही रजत पदक जीतकर शान से कोटा प्राप्त किया। वह कजाखस्तान के निकिता चिरयुकिन से पीछे रहे जिन्होंने 32 के शॉट से स्वर्ण पदक जीता। भारत के लिए रैपिड फायर पिस्टल मजबूत स्पर्धा होती है जिसमें विजय कुमार ने 2012 लंदन ओलंपिक में रजत पदक जीता था। अनीश तोक्यो ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने के मजबूत दावेदार दिख रहे थे लेकिन वह नयी दिल्ली में 2021 में आईएसएसएफ विश्व कप में ऐसा करने से चूक गए थे। अगर विजयवीर और अनीश दोनों को पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है तो रैपिड फायर निशानेबाजी में इस तरह का मौका पहली बार होगा। भारत ने अभी तक जकार्ता में 4 पेरिस ओलंपिक कोटे हासिल कर लिए हैं।

माटियो बेरेटिनी चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हटे

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। माटियो बेरेटिनी पैर की चोट के कारण अपने पहले दौर के मैच की पूर्व संध्या पर रविवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गए। साल 2021 के विम्बलडन उपविजेता और 2022 में मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाले बेरेटिनी को सोमवार को रोड लेवर एरिना में 2023 की उप-विजेता स्टेफानोस सितसिपास से खेलना था। टूर्नामेंट के आयोजकों ने यहां जारी बयान में कहा, 'माटियो बेरेटिनी दाहिने पैर की चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गए हैं। हम आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते है। बेरेटिनी की जगह क्वालीफाइंग के 'लकी लूजर' जिजौ बर्ग्स को मुख्य ड्रा में शामिल किया गया है जो सातवीं वरीयता प्राप्त सितसिपास के खिलाफ खेलेंगे।

अर्जुन देशवाल ने लगाया पीकेएल का 44वां सुपर-10

जयपुर पिंक पैंथर्स ने रोका पुणेरी पलटन का विजय रथ

जयपुर (एजेंसी)। पहले हाफ में नौ प्वॉइंट से पीछे होने के बाद मौजूदा चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स ने दूसरे हाफ में शानदार कमबैक करते हुए अपने घर में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने कप्तान अर्जुन देशवाल के शानदार प्रदर्शन के दम पर जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीजन के 69वें मैच में पुणेरी पलटन को 36-34 से हरा दिया। जयपुर के लिए कप्तान अर्जुन देशवाल ने 16 अंक जुटाए और इस सीजन का आठवां सुपर-10 लगाया। उनके अलावा सुनील कुमार ने अपना हाई-5 पूरा किया। पुणेरी की ओर से कप्तान असलम इनामदार ने आठ अंक लिए। रोमांचक जीत के बाद भी मौजूदा चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स दूसरे पायदान पर कायम है। टीम के अब 12 मैचों में आठ जीत हो गई है और उसके 48 अंक हो गए हैं। वहीं, पुणेरी पलटन को 12 मैचों में दूसरी हार मिली है। टीम अभी भी 52 अंकों के साथ पहले पायदान पर विराजमान है। टीम ने पिछले नौ मैचों में यह पहली हार है। नंबर-1 और नंबर-2 की इस जंग में सीजन 9 की फाइनलिस्ट जयपुर पिंक पैंथर्स और पुणेरी पलटन की टीम अपनी बेस्ट स्टार्टिंग 7 के साथ मैट पर उतरी। दोनों टीमों के बीच शुरुआती कुछ मिनटों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला और इस वजह से वे पहले पांच मिनट तक 5-5 की बराबरी पर थी।

जोकोविच-कोहली इंस्टाग्राम पर करते हैं बातें

नोवाक बोले– कभी मिले नहीं लेकिन एक–दूसरे को जानते हैं, विराट ने बताई बातचीत की कहानी

यूएस (एजेंसी)। टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच और भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली इंस्टाग्राम पर सालों से चैटिंग कर रहे हैं। दोनों में कभी मुलाकात नई हुई लेकिन दोनों एक-दूसरे को अचीवमेंट्स पर बधाई देते रहते हैं। वनडे वर्ल्ड कप में विराट ने जब 50वां वनडे शतक लगाया था तब जोकोविच ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर उन्हें बधाई दी थी।विराट ने भी कहा कि जोकोविच की फिटनेस स्पोर्ट्स प्लेयर्स के लिए इंस्पिरेशन हैं। मैं खुद उन्हें देखकर इंस्पायर होता हूं। दोनों सालों से ऑनलाइन बातें कर रहे हैं।

जोकोविच ने की विराट की तारीफ – साल 2024 का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन आज से शुरू हो रहा है। सर्बिया के नोवाक जोकोविच 10 बार इस चैंपियनशिप को जीत चुके हैं और उनके नाम कुल 24 ग्रैंड स्लैम खिताब है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ब्रॉडकास्टर्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा, विराट और मैं पिछले कुछ सालों से ऑनलाइन बातें कर रहे हैं। जोकोविच ने बताया, विराट और उनकी कभी मुलाकात नहीं हुई लेकिन उनसे बातें करना मेरे लिए सम्मान की बात की है। उनका (विराट का) क्रिकेट करियर और अचीवमेंट्स शानदार हैं। मैं क्रिकेट में अच्छा नहीं हूं लेकिन मैंने इसे खेलना शुरू कर दिया है। मैं नहीं चाहता कि जब भारत जाऊं तो क्रिकेट स्किल्स के कारण शर्मिंदगी महसूस करूं।

कोहली बोले– जोकोविच ने इंस्टाग्राम पर किया था मैसेज –विराट कोहली इस वक्त टीम इंडिया के साथ इंदौर में हैं। वह आज यानी रविवार को अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में खेलते नजर आएंगे। शनिवार को होलकर स्टेडियम में प्रैक्टिस के दौरान उन्होंने बीसीसीआई से कहा, मैंने नोवाक से बात करने के लिए इंस्टाग्राम पर मैसेज करना चाहा। लेकिन जब मैं मैसेज बॉक्स में गया तो देखा उन्होंने पहले ही मुझे मैसेज कर रखा था। उनका मैसेज बहुत टाइम से ओपन नहीं हुआ था। तब मैंने पहली बार अपना मैसेज बॉक्स ओपन किया।

फेक आईडी होने का डर था – कोहली ने आगे बताया, जब मैने जोकोविच का मैसेज देखा तो मुझे लगा ये फेक आईडी से किया गया है। लेकिन मैंने फिर से चेक किया तो पाया मैसेज असली अकाउंट से आया था। फिर हमारी बातें शुरू हो गईं। हम एक दूसरे को अचीवमेंट्स पर बधाई देने लगे। पिछले दिनों 50वीं वनडे सेंचुरी पर नोवाक ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर मुझे बधाई दी थी। उन्होंने मुझे पर्सनल मैसेज कर भी बधाई दी। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं, दुनिया के टॉप ग्लोबल एथलीट्स से बातें करना अच्छा लगता है। उनका टेनिस करियर शानदार है, फिटनेस के लिए उनकी मेहनत मुझे हमेशा ही इंस्पायर करती है।

जोकोविच के साथ कॉफी पीना चाहते हैं कोहली – कोहली ने बताया कि वह जोकोविच के साथ भारत में कॉफी पीते हुए बातें करना चाहते हैं। उन्होंने जोकोविच को ऑस्ट्रेलियन ओपन में पार्टिसिपेट करने पर भी बधाई दी। ऑस्ट्रेलियन ओपन में प्रमोशनल इवेंट के दौरान जोकोविच ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर स्टीव स्मिथ के साथ क्रिकेट और टेनिस खेलते नजर आए थे। जोकोविच की क्रिकेट स्किल पर कोहली ने कहा, मेरी टेनिस स्किल के मुकाबले जोकोविच की क्रिकेट टेक्निक कई बेहतर है। स्टीव ने उनकी सर्विस रिटर्न कर बेहतरीन खेल दिखाया। लेकिन मैंने कई टेनिस मैच लाइव देखे हैं और मैं जानता हूं वहां सर्विस कितनी ज्यादा तेज होती है। फिर भी उनके साथ टेनिस खेलना अच्छा रहेगा। मैं उन्हें सिर्फ बैट पकड़ना ही सीखा सकता हूं।

शॉन मार्श ने प्रोफेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

17 जनवरी को खेलेंगे आखिरी मैच,एरन फिंच ने भी

मेलबर्न (एजेंसी)। शॉन मार्श ने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है। वह अभी बिग बैश लीग (बीबीएल) में मेलबर्न रेनेगेड्स की ओर से खेलेंगे। 17 जनवरी को वह अपने करियर का आखिरी प्रोफेशनल क्रिकेट मैच सिडनी थंडर के खिलाफ खेलेंगे। उनसे पहले एरन फिंच ने रेनेगेड्स के लिए शनिवार को अपना आखिरी प्रोफेशनल क्रिकेट मैच खेला था। वह मैच में खाता भी नहीं खोल सके थे।

मार्श-फिंच मेलबर्न रेनेगेड्स के टॉप-3 स्कोरर – मार्श और फिंच बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-3 बैटर्स हैं। फिंच 3311 रनों के साथ पहले नंबर हैं, जबकि शॉन मार्श 1375 रनों के साथ तीसरे नंबर पर रहे हैं। सैम हार्पर 1433 रनों के साथ इस रिकॉर्ड में दूसरे नंबर पर हैं।

मार्श 2019-2020 में रेनेगड्स से जुड़े थे – मार्श 2019-2020 में रेनेगड्स टीम से जुड़े थे और इससे पहले वह पर्थ स्कॉर्चर्स टीम का हिस्सा थे। मार्श ने रविवार को अपने संन्यास की घोषणा की और कहा कि 17 जनवरी को सिडनी थंडर्स के खिलाफ होने वाला मैच उनके करियर का आखिरी प्रोफेशनल मैच होगा।

युवराज सिंह का बयान-

ये भारतीय खिलाड़ी टेस्ट और टी20 टीम में जगह बनाने का हकदार नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप में भारत को जीत हासिल कराने में क्रिकेटर युवराज सिंह ने अहम भूमिका निभाई थी। हाल ही में युवराज ने ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के वनडे और टी20 करियर को लेकर बात की है। उन्होंने कहा- ऑफ स्पिनर की वनडे और टी20 टीम में जगह नहीं बनती। हालांकि विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा को लेकर उनकी राय अलग है।

युवराज सिंह ने रविचंद्रन अश्विन को लेकर कहा- अश्विन एक महान गेंदबाज हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह वनडे और टी20 में जगह के हकदार हैं। वह गेंदबाजी अच्छी करते हैं, लेकिन बल्लेबाजी में क्या करते हैं? या एक फील्डर के तौर पर वह क्या करते हैं? टेस्ट टीम में बेशक उन्हें होना चाहिए, लेकिन सफेद गेंद वाले क्रिकेट में मुझे नहीं लगता कि वह जगह के हकदार हैं।

रणजी मैच में टूटी साइटस्क्रीन

तूफान के कारण महाराष्ट्र-झारखंड मैच बीच में रोकना पड़ा, विराट सिंह ने लगाया शतक

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र और झारखंड के बीच रणजी ट्रॉफी मैच को साइटस्क्रीन टूट जाने के कारण रोकना पड़ा। दरअसल, पुणे के गाहुन्जे इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच एलिट ग्रुप-ए का मैच खेला जा रहा है। शनिवार दोपहर एक बजे तेज हवाओं के कारण साइटस्क्रीन टूट गई और मैच रोकना पड़ा। दोनों टीमों के बीच मैच करीब आधे घंटे तक रुका रहा। ग्राउंड स्टाफ ने साइटस्क्रीन को ठीक किया और फिर मैच शुरू हो सका।

इनिंग ब्रेक के दौरान हुआ हादसा – साइटस्क्रीन टूटने के दौरान कोई भी खिलाड़ी या ग्राउंड स्टाफ का मेंबर उसके पास नहीं था। शनिवार दोपहर एक बजे झारखंड की पहली पारी 403 रन पर ऑलआउट हुई थी। इनिंग ब्रेक चल रहा था, झारखंड टीम अपनी बॉलिंग के लिए तैयारी कर रही थी, उसी दौरान हादसा हो गया।

हिल एंड की साइटस्क्रीन तेज हवाएं आने के कारण टूटी। ग्राउंड स्टाफ साइटस्क्रीन के पास पहुंचा और मामले को संभालने की कोशिश की। इस दौरान दोनों टीमों को थोड़ा लम्बा ब्रेक मिल गया।

पिछले दिनों हुई बारिश के कारण आया तूफान – महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमएसीए) के अधिकारी ने बताया, मैच के दूसरे दिन में दूसरे सेशन के दौरान हादसा हुआ। साइटस्क्रीन की फ्रेम टूट गई, जिसे सुधारने में टाइम लग गया। पिछले दिनों शहर में तेज बारिश हुई थी, जिस कारण शनिवार को तूफान आ गया। बारिश इतनी तेज थी कि दोनों टीमें ठीक से प्रैक्टिस भी नहीं कर सकीं। इतना बड़ा तूफान ग्राउंड से टकराएहा तो कोई क्या ही कर पाएगा। साइटस्क्रीन डैमेज हो गई लेकिन हमने बगैर ज्यादा समय लगाए उसे ठीक कर दिया।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 21 रन से हराया

एलन की विस्फोटक फिफ्टी, काम न आए बाबर के 66 रन; सीरीज में 2-0 से आगे कीवी

हेमिल्टन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को दूसरे टी-20 में 21 रन से हरा दिया। हेमिल्टन के सेडन पार्क स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने पहले बैटिंग की। टीम ने 8 विकेट पर 194 रन बनाए। पाकिस्तान की टीम 19.3 ओवर में 173 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड से ओपनर फिन एलन ने 41 बॉल पर 74 रन की विस्फोटक पारी खेली। वहीं पाकिस्तान से बाबर आजम और फखर जमान ने फिफ्टी लगाई लेकिन दोनों अपनी टीम को जिता नहीं सके। दूसरे टी-20 में जीत के साथ न्यूजीलैंड ने 5 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। तीसरा टी-20 मैच 17 जनवरी को डुनेडिन में खेला जाएगा।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी – रविवार को हेमिल्टन में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। न्यूजीलैंड को ओपनर फिन एलन और डेवोन कॉन्वे ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने 5 ही ओवर में टीम का स्कोर 59 रन तक पहुंचा दिया। छठे ओवर में कॉन्वे 20 रन बनाकर आउट हो गए। नंबर-3 पर उतरे केन विलियमसन ने एलन के साथ पारी आगे बढ़ाई। दोनों ने टीम को 100 रन के पार पहुंचाया और फिफ्टी पार्टनरशिप भी कर ली। एलन 74 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच पार्टनरशिप टूटी।

रिटायर्ड हर्ट हुए विलियमसन – 26 रन पर बैटिंग के दौरान विलयमसन रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गए। उन्हें पैर की मांसपेशियों में खिंचाव महसूस हो रहा था। उनकी जगह डेरिल मिचेल बैटिंग करने आए लेकिन वह 17 रन बनाकर ही आउट हो गए। मिचेल के बाद ग्लेन फिलिप्स 13 और मार्क चापमन 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। जबकि एडम मिल्न और ईश सोढी खाता भी नहीं खोल सके।

सैंटनर ने 190 के पार पहुंचाया –कोरोना संक्रमित होने के कारण पहला मैच नहीं खेल सके मिचेल सैंटनर ने दूसरे टी-20 में 25 रन बनाए। उन्होंने महज 13 बॉल खेली और टीम का स्कोर 190 रन के पार पहुंचाया। सैंटनर ने पारी में 3 चौके और 2 सिक्स लगाए। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 194 रन बनाए।पाकिस्तान से हारिस रऊफ ने 3 विकेट लिए। अब्बास अफरीदी को 2 सफलताएं मिलीं। जबकि आमेर जमाल और उसामा मीर को 1-1 विकेट मिला।

पाकिस्तान की शुरुआत खराब – 195 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने दूसरे ही ओवर में ओपनर्स के विकेट गंवा दिए। सैम अय्युब एक और मोहम्मद रिजवान 7 रन ही बना सके। एडम मिल्न और टिम साउदी को 1-1 विकेट मिला।

फखर-बाबर ने की 87 रन की पार्टनरशिप – शुरुआती 2 विकेट जल्दी गिरने के बाद बाबर आजम ने फखर जमान के साथ पारी आगे बढ़ाई। दोनों ने टीम को 50 रन के पार पहुंचाया और आपस में फिफ्टी पार्टनरशिप भी कर ली। फखर 25 बॉल में 50 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच 87 रन की पार्टनरशिप टूटी।

- **पाकिस्तान ने लगातार विकेट गंवाए** – 97 रन पर 3 विकेट गंवाने के बाद पाकिस्तान संभल ही नहीं सका। टीम ने लगातार विकेट गंवा दिए। इफ्तिखार अहमद 4, आजम खान 2 और आमेर जमाल 9 ही रन बनाकर आउट हो गए।
- **बाबर 66 रन बनाकर आउट, टीम को जिता नहीं सके** – बाबर आजम ने फिफ्टी लगाई और टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। वह 17वें ओवर में 66 रन बनाकर आउट हुए और टीम के जीतने की उम्मीद भी टूट गई। बाबर के बाद शाहीन अफरीदी 22 रन बनाकर आउट हुए, जबकि उसामा मीर खाता भी नहीं खोल सके।
- **मिल्न ने झटके 4 विकेट** – न्यूजीलैंड से तेज गेंदबाज एडम मिल्न ने 4 विकेट लिए। लेग स्पिनर ईश सोढी ने मिडिल ओवर्स में 2 विकेट लेकर पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेला। जबकि टिम साउदी और बेन सीयर्स को भी 2-2 सफलताएं मिलीं।

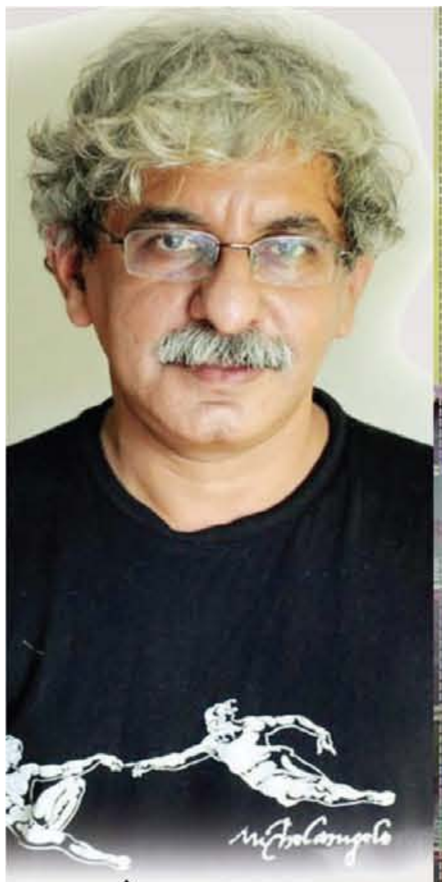

अपने यहां नए यंग एक्टर्स की कमी है

एक हसीना थी, बदलापुर, अंधाधुंध, डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने हिंदी सिने जगत को कुछ बेहतरीन थ्रिलर फिल्में दी हैं। उनकी पिछली फिल्म अंधाधुंध तो कल्ट फिल्मों में गिनी जाती है। वहीं, अब उनकी नई फिल्म मैरी क्रिसमस को लेकर भी फैंस में खूब उत्साह है।

आपकी पिछली फिल्म अंधाधुंध बहुत ही बड़ी हिट थी। उसके बाद नई फिल्म क्या बनाएं, इसे लेकर कोई दबाव था, क्योंकि आपकी फिल्मों से उम्मीदें बहुत बढ़ चुकी हैं? मेरी क्रिसमस को अगली फिल्म के लिए कैसे चुना?

मैं आपकी बात समझ रहा हूं। अंधाधुंध को बहुत ज्यादा प्यार मिला, मगर मेरे पर ऐसा कोई दबाव नहीं था कि अब मुझसे ज्यादा उम्मीदें हैं, तो उस हिसाब से ज्यादा बड़ी या बड़े स्टार के साथ फिल्म बनाऊं। मैं वैसे सोचता नहीं हूं। मैंने अपनी शुरुआत राम गोपाल वर्मा के साथ एक हसीना थी से की है और मुझे याद है, जब सत्या आई थी तब सब इतने उत्साहित थे कि वाह क्या फिल्म है, ये है, वो है, पर रामू फिल्म रिलीज होने के चौथे दिन पनवेल में अपनी नई फिल्म कौन शूट कर रहे थे। वो सत्या के हिट होने के दबाव या एक्साइटमेंट का हिस्सा ही नहीं बने। मैं भी ऐसे ही सोचता हूं कि जो हुआ, वो हुआ, अब आगे क्या। मेरी क्रिसमस की कहानी मेरे पास चार-पांच साल से थी। मैं चाहता तो अंधाधुंध के बाद किसी बड़े स्टार को कास्ट कर सकता था पर ये कहानी ऐसी थी कि मुझे बहुत ही अनदेखी, अलग सी जोड़ी चाहिए थी। जब मैंने विजय सेतुपति और कटरीना कैफ की जोड़ी के बारे में अपनी टीम से बात की तो सब बहुत एक्साइटेड हो गए, तो मुझे लगा कि शायद लोगों को भी ये जोड़ी एक्साइटिंग लगेगी।

आपको लगता है कि हमारी इंडस्ट्री रिस्क लेने से डरती है। आज बेशक आपकी हर कहानी को हाथों हाथ लिया जाएगा, पर तब आप जैसा सिनेमा बनाना चाहते थे, उस नएपन को सपोर्ट करने वाले कम होते हैं?

आप सही कह रही हैं। आज मेरी खराब कहानी को भी शायद हां बोल देंगे, जो कि खतरनाक है। लेकिन पहले, जैसे जॉनी गद्दार की कहानी मैं जिसे भी सुनाता था, वो बोलता था कि ये तो नेगेटिव स्टोरी है। वो तो रामू ने मुझे एक मौका दे दिया क्योंकि उनको रमन राघव पसंद थी और उससे मुझे एंट्री मिल गई। मगर एक हसीना थी चली नहीं थी, इसलिए मुझे आगे फिल्में बनाने में टाइम लगा। वैसे, आज के टाइम में आप रिस्क नहीं लेंगे तो दिक्कत होगी, क्योंकि अभी ऑडियंस ने इतनी फिल्में देख ली हैं। अभी बहुत सी फिल्में बनी है तो बैरियर टूटा है लेकिन अभी भी ये है कि इस स्टार को लेकर आओ, उस स्टार को लेकर आओ। मेरे जो दोस्त पहली फिल्म बना रहे हैं, उनको प्रड्यूसर बोलते हैं कि इनको लो इनको लो। देखा जाए तो हमारे यहां ऐक्टर्स की कमी है, खासकर नए यंग ऐक्टर्स की तो जितने नए ऐक्टर्स आएं उतना अच्छा है। आप यकीन नहीं करेंगी कि अंधाधुंध की कहानी मैंने पांच-सात ऐक्टर्स को सुनाई थी। सबने मना कर दिया। मैंने आखिर में सोचा कि मैं नया लड़का लेता हूं। मैं नया लड़का ढूंढने लगा था, तभी एक दिन आयुष्मान का फोन आ गया।

आपकी अगली फिल्म इक्कीस में पहले वरुण धवन थे, अब अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। आपको क्यों लगा कि वरुण के बजाय अगस्त्य उस रोल में मुफीद रहेंगे?

ये कहानी 21 साल के लड़के की है। अरुण खेत्रपाल परमवीर चक्र पाने वाले सबसे युवा जांबाज हैं। वो सिर्फ 21 साल की उम्र में शहीद हो गए थे। हमने कोविड के पहले वरुण के साथ टेस्ट किया था, थोड़ा बहुत शूट भी किया था। मैं उनको चाहता था लेकिन इस बीच वरुण की उम्र भी बढ़ी है। मैं खुद 21 साल के लड़के के रोल में उसे एक्सेप्ट नहीं कर पा रहा था तो मैंने वरुण से बात किया। उनको भी बात सही लगी। मुझे 21 साल का लड़का चाहिए था तो मैं नया लड़का लेना चाहता था। एक दिन दिनेश विजन ने कहा कि एक नया लड़का है, उसको मिलो। मैं गया, तब उन्होंने बताया कि ये अगस्त्य नंदा है और अगस्त्य की पर्सनैलिटी में वो बात है।

अजय देवगन की रेड 2 में हुई रितेश देशमुख की एंट्री

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म रेड 2 पिछले कुछ दिनों से चर्चा में बनी हुई है। निर्माताओं ने फिल्म की घोषणा तो काफी पहले ही कर दी थी, लेकिन अजय देवगन की हीरोइन के नाम पर मोहर नहीं लगी थी। हाल ही में खबर सामने आई कि अजय के साथ वाणी कपूर नजर आएंगी। वहीं, अब मेकर्स ने फिल्म के विलेन के नाम पर मोहर लग दी है।

विलेन के किरदार में दिखेंगे रितेश

रेड 2 भी टी-सीरीज के बैनर तले ही बन रही है। प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट साझा कर विलेन के किरदार में रितेश देशमुख के हिस्सा बनने की जानकारी दी है। तस्वीर साझा कर लिखा, टकराव के लिए तैयार हो जाएं। विलेन की भूमिका में आपका स्वागत है रितेश देशमुख। तस्वीरों में रितेश, अजय देवगन, रवि तेजा, वाणी कपूर और रेड 2 की टीम के साथ नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों पर रितेश के फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और खुशी जाहिर कर रहे हैं।

पहली बार अजय के खिलाफ दिखेंगे रितेश

रेड 2 में रितेश देशमुख पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर अजय देवगन के खिलाफ होंगे। फिल्म में दोनों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलेगा। अजय देवगन अधिकारी अमर पटनायक की भूमिका में नजर आएंगे और उनका लक्ष्य रितेश ही होंगे। फिल्म का पहला भाग रेड 1980 के दशक में सरदार इंदर सिंह पर आईटी विभाग के अधिकारियों द्वारा किए गए वास्तविक जीवन के आयकर छापे पर आधारित था। निर्देशक राजकुमार गुप्ता और निर्माता भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार एक साथ नजर आएंगे। फिल्म की बड़े पैमाने पर शूटिंग मुंबई, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में होने वाली है। रेड 2 का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने किया है। हाल ही में अजय देवगन ने भी फिल्म के मुहूर्त की तस्वीरें साझा की थीं। यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पुणे हाईवे में नजर आएंगे अमित साध

अमित साध ने विभिन्न फिल्मों में अपने शानदार प्रदर्शन से कई लोगों का दिल जीता है, और दुरंगा 2 में उनकी भूमिका ने उनकी सफलता में और इजाफा किया है। अब, प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि पुणे हाईवे में उनके लिए क्या नया आने वाला है। अगर हम एक बात करे पुणे हाईवे के बारे में तो हम देखेंगे कि पुणे हाईवे के बारे में खूब बातें कर रहे हैं और हर कोई यह देखने के लिए उत्सुक है कि अमित साध इस नई फिल्म में कैसा अभिनय करने वाले हैं। हम अभी तक कहानी के बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि यह दिलचस्प होने वाली है, और उम्मीद है कि अमित साध एक अद्भुत प्रदर्शन देंगे। ऑन स्क्रीन पर अपनी करिश्माई उपस्थिति के लिए मशहूर अमित साध में दर्शकों से जुड़ने की अनोखी क्षमता है। उनका प्रदर्शन सिर्फ अभिनय के बारे में नहीं है; वे यादगार पल बनाने के बारे में हैं जो दर्शकों के दिमाग में बने रहते हैं। पुणे हाईवे के क्षितिज पर होने के साथ, प्रशंसक इस नई सिनेमा यात्रा में उनके द्वारा लाए जाने वाले जादू को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

दूसरी बार दूल्हा बनेंगे प्रतीक बब्बर

प्रतीक बब्बर बॉलीवुड के सबसे प्रतिभाशाली एक्टर्स में से एक हैं। राज बब्बर के एक्टर बेटे प्रतीक बब्बर फिल्मों के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। ये तो हम सब जानते हैं कि पत्नी सान्या से अलग होने के बाद एक्टर की लाइफ में नए प्यार की एंट्री हुई थी। खबरें थी कि वह बार-बार देखो एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी को डेट कर रहे हैं। वहीं वैलेंटाइन डे के मौके पर एक्टर नेअपने सीक्रेट रिलेशनशिप को ऑफिशियल कर दिया है। उन्होंने गर्लफ्रेंड के साथ इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर प्यार का इज़हार किया था। वहीं अब खबर आ रही है कि दोनों ने गुपचुप तरीके से सगाई कर ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्टर के एक करीबी दोस्त ने खुलासा किया है कि प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी एक दूसरे को अंगूठी पहना चुके हैं। कपल के रिश्ते की जानकारी देते हुए करीबी ने कहा- 28 नवंबर को प्रतीक का जन्मदिन आता है और उससे दो दिन पहले ही एक्टर ने प्रिया को प्रपोज कर दिया था। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे से सगाई कर ली।

स्ट्रीमिंग को एक्सप्लोर करना चाहती हूं

बॉलीवुड स्टार सोनम कपूर, इस साल फिल्मों में वापसी कर रही हैं, अगर उनसे टेंटपोल फिल्म या सीरीज के लिए संपर्क किया जाता है, तो वह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तलाशने के लिए तैयार हैं! सोनम बताती हैं, मेरे लिए अच्छे कंटेंट और अच्छे सिनेमा का हिस्सा बनना ही मायने रखता है। जिस प्लेटफ़ॉर्म पर इसे रिलीज किया जा रहा है वह महत्वहीन है क्योंकि दुनिया बदल गई है। मैं स्ट्रीमिंग पर एक ऐसे प्रोजेक्ट में लीड करने के लिए उत्साहित हूं जो लोगों को प्रभावित करेगा। मुझे वहां के कंटेंट की विविधता बहुत पसंद है। सोनम स्ट्रीमिंग पर कंटेंट देखने की शौकीन हैं और खुश हैं कि कैसे प्लेटफ़ॉर्म ने लोगों की कंटेंट भूख को बदल दिया है। वह कहती हैं, मैं हमेशा से स्ट्रीमिंग में अपना कदम रखना चाहती थी, बशर्ते कि मैं किसी ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर टेंटपोल फिल्म या सीरीज का नेतृत्व कर रही हूं। मैं वर्षों से स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म द्वारा बनाए जा रहे उत्कृष्ट कंटेंट की बहुत बड़ी दर्शक हूं। वह आगे कहती हैं, मेरा मानना है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने हमारे देश के कंटेंट को आगे बढ़ाया है, इसे अधिक रचनात्मक रूप से विघटनकारी और गतिशील बनाया है। स्ट्रीमिंग कंटेंट ने विश्व स्तर के साथ-साथ भारत में भी जो स्तर स्थापित किया है वह अविश्वसनीय है।

इमरान हाशमी ने बेटे के लिए किया भावुक पोस्ट

इमरान हाशमी न सिर्फ एक शानदार अभिनेता हैं, बल्कि एक जिम्मेदार पिता भी हैं। अभिनेता के बेटे अयान को 2014 में प्रथम चरण के कैंसर का पता चला था। इस बीमारी से पूरे परिवार ने डटकर सामना किया और 2019 में उनके बेटे ने कैंसर से यह जंग जीत ली। आज यानी 13 जनवरी को इमरान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने बेटे के साथ तस्वीरें और एक वीडियो साझा किया। साथ ही, अयान के कैंसर निदान के दस साल पूरे होने पर दिल छू लेने वाले नोट भी लिखा। इंस्टाग्राम पर साझा गई एक तस्वीर में पिता-पुत्र की जोड़ी को एक साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है। एक अन्य तस्वीर में इमरान को कैमरे के सामने अपने बेटे के कंधे पर हाथ रखते हुए देखा जा सकता है। तस्वीर शेयर करते हुए उनके एक पोस्ट में लिखा है, आज अयान की बीमारी का पता चलने के दस साल हो गए... हमारे जीवन का सबसे कठिन दौर, लेकिन विश्वास और आशा के साथ हमने इस पर काबू पा लिया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उसने इस पर काबू पा लिया... और आज भी वह मजबूती के साथ खड़ा है। आपके प्यार और प्रार्थनाओं के साथ हमारे साथ खड़े रहने के लिए बहुत-बहुत आभार। एक अन्य पोस्ट में इमरान ने अपने बेटे के साथ एक तस्वीर और एक खूबसूरत पल को कैद करते हुए एक वीडियो भी साझा किया। इसमें अयान उस किताब का शीर्षक पढ़ रहे हैं जो उनके पिता ने उनके लिए लिखी थी। वीडियो में अयान को यह कहते हुए सुना जा सकता है, किस ऑफ लाइफ- कैसे एक सुपरहीरो और मेरे बेटे ने कैंसर को हराया। झलकियां साझा करते हुए, अभिनेता ने लिखा, कोई ऐसा व्यक्ति जिस पर मैं हमेशा निर्भर रह सकता हूं... मेरा बेटा, मेरा दोस्त, मेरा सुपरहीरो - अयान!!! अभिनेता को आखिरी बार सलमान खान और कैटरीना कैफ की अभिनीत फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था।

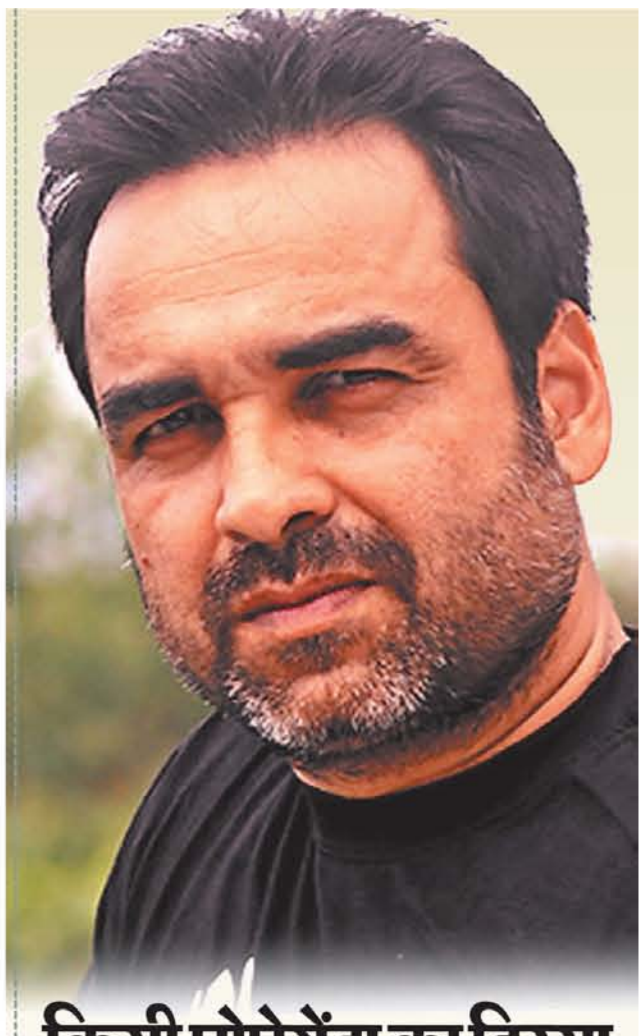

किसी प्रोपेगेंडा का हिस्सा नहीं बनेगी मैं अटल हूं

अभिनेता पंकज त्रिपाठी इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली और उभरते हुए सितारे हैं। इन दिनों पंकज अपनी अपकमिंग फिल्म मैं अटल हूं को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर आधारित है। फिल्म की रिलीज में महज कुछ दिन ही बचे है। वहीं, इसकी रिलीज से पहले पंकज त्रिपाठी ने खुलासा किया है कि निर्माताओं ने सुनिश्चित किया है कि फिल्म किसी प्रोपेगेंडा का हिस्सा नहीं बनेगी। पंकज त्रिपाठी ने एक साक्षात्कार में कहा, मैं अटल हूं समझदार और आकर्षक तरीके से बनाई गई है। यह अटल जी के जीवन की कहानी है और आजादी के बाद से भारत की यात्रा की भी। चुनाव कैसे होंगे, मतदान कैसे होगा, समाज कैसे बदला। इस बायोपिक का उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ प्रेरणा देना भी है। पंकज ने आगे कहा, जब मैं पहली बार मैं अटल हूं सेट पर पहुंचा, तो मुझे आत्मविश्वास महसूस नहीं हुआ। मैं शूटिंग के पहले दिन कभी भी आश्वस्त नहीं होता, चाहे भूमिका कोई भी हो, काल्पनिक हो या गैर-काल्पनिक। मैं हमेशा सोचता हूं, मैं क्या करूंगा? मुझसे यह कैसे होगा? दो-तीन दिनों से मैं किरदार का सुर ढूंढने के लिए संघर्ष कर रहा था। त्रिपाठी ने आगे कहा, मैं अटल हूं की शूटिंग के पहले दिन मैं सभी ऊंचे-ऊंचे इशारे और उनकी मुद्राएं कर रहा था। मैं अटल जी की नकल नहीं करना चाहता था और न ही प्रोस्थेटिक्स मेकअप की मदद से उनके लुक के मामले में उनके करीब जाना चाहता था, मुझे उनकी आत्मा को पकड़ना था। साक्षात्कार में बातचीत के दौरान फिल्म के प्रोपेगेंडा बनने को लेकर पंकज ने कहा कि उन्होंने और उनकी टीम ने इसके प्रामाणिक होने के लिए हर संभव प्रयास किया है। यह फिल्म किसी प्रोपेगेंडा का हिस्सा नहीं बनेगी। पंकज ने आगे कहा, हम इसके बारे में जागरूक और सचेत थे, लेकिन हमारा पूरा उद्देश्य अटल जी के व्यक्तित्व को बड़े पर्दे पर सामने लाना था। चूंकि यह फिल्म एक बायोपिक है, इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना था कि चीजें तथ्यात्मक रूप से सही हो। मुझे लगता है कि व्यक्ति को स्क्रीन पर सबसे ईमानदार तरीके से पेश करना चाहिए। हम इंसान हैं, हमारे अंदर अच्छाइयां और कमियां दोनों हैं और इसे इसी तरह से स्क्रीन पर पेश किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि मैं अटल हूं 19 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

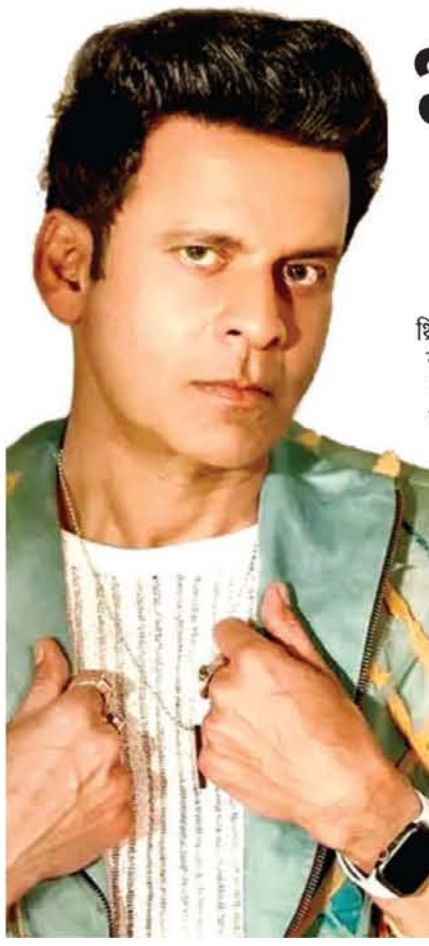

भाग्यशाली हूं कि किलर सूप का हिस्सा बना

एक्टर मनोज बाजपेयी, जो डार्क कॉमेडी थ्रिलर फिल्म किलर सूप में नजर आ रहे हैं, ने साझा किया कि यह शो सिर्फ एक बार देखने के लिए नहीं है, और यह प्याज की परतों को छीलने जैसा है, इसमें खोजने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है। वर्सेटाइल एक्टर ने कहा कि वह इसका हिस्सा बनकर भाग्यशाली हैं। कोंकणा सेन शर्मा स्टारर एक हेडलाइन न्यूज से प्रेरित, और मनोज एक महत्वाकांक्षी गृहिणी की मनोरंजक कहानी का वर्णन करते हैं जो एक रेस्तरां के मालिक होने और सूप रेसिपी को सही करने के अपने सपने का पीछा करती है, लेकिन झूठ और कवर-अप के जाल में फंस जाती है। एक्टर ने दर्शकों से सीरीज को बार-बार देखने का आग्रह किया है, और एक बेहतर मनोरंजन अनुभव के लिए प्रत्येक एपिसोड का आनंद लेने के महत्व पर जोर दिया है। मनोज ने कहा, किलर सूप सिर्फ एक बार देखने वाली फिल्म नहीं है। सीरीज में की गई कलात्मकता और प्रयास की वास्तव में सराहना करने के लिए, मैं दर्शकों से इसे कम से कम तीन बार देखने का आग्रह करता हूं। हर बार देखने से नई अनुभूतियां सामने आएंगी और पात्रों और उनके संकल्पों के साथ गहरा संबंध बनेगा। प्रभाकर प्रभु शेट्टी और उमेश शेट्टी की दोहरी भूमिका निभाने वाले मनोज ने साझा किया, यह प्याज की परतों को छीलने जैसा है, इसमें खोजने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है। कहानी और पात्रों में बहुत सारे सूक्ष्म तत्व हैं, जिन पर यदि आप बारीकी से ध्यान नहीं देंगे तो आप चूक सकते हैं। हर कहानी अपने किरदार खुद चुनती है। मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए भाग्यशाली हूं।

टाइगर 3 मेरे दिल के बहुत करीब है

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने कहा कि एक अभिनेता के रूप में उनका सबसे बड़ा और एकमात्र काम लोगों का भरपूर मनोरंजन करना है। सलमान की नवीनतम रिलीज टाइगर 3 अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रही है। उसी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, टाइगर फ्रेंचाइजी को पहली फिल्म से ही सभी प्लेटफार्मों चाहे वह थियेटर हो, या सैटेलाइट भरपूर प्यार मिल रहा है। उन्होंने कहा, यह देखना आश्चर्यजनक लगता है कि टाइगर 3 पहले सिनेमाघरों और अब स्ट्रीमिंग पर कैसे हिट रही। उन्होंने कहा, मैं अपने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने दर्शकों के साथ संपर्क में हूं और मैं अब टाइगर 3 के ओटीटी पर आने के बाद लोगों का प्यार देख सकता हूं। सलमान ने कहा, एक अभिनेता के रूप में मेरा सबसे बड़ा और एकमात्र काम लोगों का भरपूर मनोरंजन करना है और मुझे खुशी है कि टाइगर 3 को दुनिया भर के लोग पसंद कर रहे हैं। सलमान ने आगे कहा, टाइगर 3 एक ऐसी फिल्म है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। जब यह सिनेमाघरों में हिट हो गई तो यह बेहद निजी लगा और अब यह रिलीज होने के कुछ ही दिनों के भीतर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिट हो गई है। उन्होंने कहा, टाइगर हमेशा लोगों का मनोरंजन करने के लिए मौजूद रहेंगे। टाइगर 3 में कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी हैं।

कलेक्ट्रेट परिसर में चला स्वच्छता अभियान

जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने लगाई झाड़ू

नोएडा (चेतना मंच)। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि में बन रहे मंदिर में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा, आगामी 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस एवं 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व को दृष्टिगत रखते हुए डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में 14 जनवरी से 21 जनवरी 2024 के मध्य जनपद में स्थित सभी कार्यालय एवं शैक्षणिक संस्थाओं में स्वच्छता का विशेष अभियान चलाया जाएगा। ताकि कार्यालयों के भीतर, कार्यालय परिसर तथा परिसर के आसपास कहीं भी कोई प्लास्टिक या गंदगी न रहे एवं सभी कार्यालय परिषद स्वच्छ एवं सुंदर दिखे।

इसी श्रृंखला में रविवार को डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में कैंप कार्यालय परिसर नोएडा में विशेष सफाई अभियान चलाया गया । जिलाधिकारी ने स्वयं झाड़ू लगाकर कैंप कार्यालय की सफाई की। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार व अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर नितिन मदान के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर एवं कलेक्ट्रेट कार्यालय के भीतर विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें कलेक्ट्रेट परिसर के साथ-साथ विकास भवन व कलेक्ट्रेट में स्थापित जिला पूर्ति कार्यालय, जिला मनोरंजन कर कार्यालय, जिला आबकारी कार्यालय, जिला समाज कल्याण कार्यालय, जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, डूडा विभाग, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, उपयुक्त उद्योग कार्यालय, बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय तथा अन्य विभागों में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के माध्यम से स्वच्छता का विशेष अभियान चलाया गया, ताकि कोई भी प्लास्टिक या गंदगी कार्यालय में न रहे एवं सभी कार्यालय परिषद स्वच्छ एवं सुंदर दिखे।

इसी प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में उप जिलाधिकारी के नेतृत्व में विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें सभी तहसील के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

डीएम मनीष कुमार वर्मा ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जनपद के कार्यालय भवनों, सरकारी इमारतों, स्कूल कॉलेज आदि में 22 से 26 जनवरी तक विशेष प्रकाश की व्यवस्था की जाए।

22 को बंद रहेगी शराब समेत मादक पदार्थों की दुकानें : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/लाइसेंस प्राधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि में बन रहे मंदिर में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा किए जाने की दृष्टिगत संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम के तहत 22 जनवरी 2024 को जनपद गौतम बुद्ध नगर के समस्त देशी शराब, विदेशी शराब, बियर, भांग की फुटकर बिक्री की दुकानें, प्रीमियम रिटेल वेण्ड एवं मॉडल शॉप/बार - एफ0एल0-6/6ए समिश्र /एफ0एल0-7/7सी / एफ0एल0 -9 / 9ए /40 /41 / 49/सैन्य/अर्द्ध सैनिक कैन्टीन, थोक अनुज्ञापन सी0एल0-2 / एफ0एल0-2 / 2ए /2बी, फार्मेसी, बी0आई0ओ0-1 एवं जनपद में स्थित अन्य आबकारी अनुज्ञापन बंद रहेंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि समस्त मादक पदार्थों की ब्रिकी उक्त तिथि में पूर्णतया बंद रहेंगी एवं बंदी अवधि के लिए लाइसेंसधारी को किसी प्रतिकर या दावे का हकदार नहीं होंगे।

उन्होंने कहा कि उक्त आदेशों का यदि किसी के द्वारा उल्लघंन किया जाता है, तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही अमल में लायी जायेंगी।

भाजपाइयों ने मंदिरों में चलाया 'स्वच्छता अभियान'

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा हाईकमान के निर्देश पर 14-22 जनवरी तक मंदिरों में स्वच्छता अभियान का शुभारंभ हो गया है। इसी कड़ी में रविवार को कई मंडलों द्वारा मंदिरों में सफाई की गई।

मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर ने बताया कि ये अभियान 14 जनवरी से शुरू हो कर 21 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद समाप्त होगा। इस अभियान के माध्यम से भारतीय जानता पार्टी अपने हर मंडल में अपने आसपास के मंदिरों में स्वच्छता अभियान को बढ़ाव देगी। इस अभियान के चलते हर मंडल में क्रयकर्ताओं ने सफ़ाई अभियान चलाया।

महामंत्री उमेश त्यागी ने अपने गाँव में मंदिर में सफ़ाई की तो उपाध्यक्ष गिरजा सिंह ने अपने सेक्टर के मंदिर में इस अभियान में हिस्सा लिया। इस अभियान को ले कर सभी कार्यकर्ता बहुत उत्साहित है और हिस्सा ले रहे हैं।

35 लाख रुपये की शराब की खेप जब्त

334 पेटी शराब बरामद, ट्रक चालक गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 पुलिस ने शराब की एक बड़ी खेप पकड़ी है।

पकडी गई शराब की कीमत करीब 35 लाख रुपए बताई जा रही है।

एडीसीपी सेंट्रल हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना सेक्टर 142 प्रभारी विनीत राणा को मुखबिर से सूचना मिली की शराब की एक खेप ट्रक के जरिए मध्य प्रदेश ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर उन्होंने सेक्टर 144 मेट्रो स्टेशन के पास सर्विस रोड पर वाहनों की चेकिंग शुरू की। मुखबिर के इशारे पर उन्होंने एक ट्रक को जांच के लिए रोका। ट्रक की जांच करने पर उसमें से 334 पेटी अंग्रेजी शराब चंडीगढ़ मार्का की बरामद हुई। पुलिस ने ट्रक चालक प्रकाश पुत्र भगवान सिंह निवासी ग्राम बीजू खेड़ी जनपद इंदौर मध्य प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए प्रकाश ने बताया कि वह इमरान, ओमप्रीत, कान्हा व रामगहलोत के कहने पर चंडीगढ़ से शराब लेकर मध्य प्रदेश जा रहा था। उन्होंने बताया कि पकडी गई शराब की कीमत करीब 35 लाख रुपए है। उन्होंने बताया कि प्रकाश द्वारा बताए गए चारों आरोपियों के खिलाफ भी तस्करी का मामला दर्ज किया गया है और उनकी तलाश की जा रही है।

डीएम ने की भूतपूर्व सैनिकों के बलिदान की सराहना

नोएडा (चेतना मंच)। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय की सभागार में जिला सैनिक कल्याण विभाग के माध्यम से वेटरेन्स-डे का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाधिकारी के द्वारा वीर नारियों, वीरता पुरस्कार विजेताओं एवं भूतपूर्व सैनिकों को गिफ्ट, शाल व मान्यता का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने भारतीय सशस्त्र बलों के वेटरन्स से कहा कि आपकी सेवा, आपके साहस और सबसे बढ़कर हमारे भारतीय सशस्त्र बलों के समर्थन में आपका बलिदान की सराहना करता हूं एवं भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति आपकी बहादुरी और समर्पण, इसके आदर्श इसकी सेवा सराहनीय है।

इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतम बुद्ध नगर कर्नल कपिल कत्याल(अ0 प्रा0) तथा वीर नारियां, वीरता पुरस्कार विजेता व भूतपूर्व सैनिक एवं उनके आश्रितगण उपस्थित रहे।

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रण के लिए अक्षत स्वीकार करते भाजपा नेता पं. रविकांत मिश्रा। साथ में संघ तथा विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता।

ट्रेन में छेड़छाड़ कर रहे थे मनचले पीड़िता ने एक आरोपी को दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में एक छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जहां घर से नौकरी के लिए आने वाली एक लड़की से छेड़छाड़ कर रहे थे। पीड़िता ने साहस दिखाते हुए हुए नोएडा पुलिस को कॉल करके एक आरोपी को पकड़ लिया। हालांकि तीन आरोपी मौके से फारार हो गए। पुलिस ने मामले में केस करके फरार आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

पीड़िता ने ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक थाने में दी शिकायत में बताया है कि वह हर रोज खुर्जा से गाजियाबाद की कंपनी में नौकरी करने आती है। खुर्जा से पीड़िता दादरी तक ट्रेन में सफर करती है। इसके बाद ऑटो से कंपनी तक पहुंचती है। पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ ही ट्रेन में सफर करने वाले चार युवक कई दिनों से उससे रास्ते में छेड़छाड़ कर रहे हैं। शनिवार को पीड़िता दादरी रेलवे स्टेशन पर उतरकर ऑटो से कंपनी जा रही थी। चारों आरोपी भी जबरदस्ती ऑटो में सवार होकर रास्ते में पीड़िता से छेड़छाड़ करने लगे। पीड़िता ने इसका विरोध किया तो आरोपी धमकी देकर अश्लील हरकत करने लगे। इस पर पीड़िता ने 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को सूचना दे दी।

पीड़िता के द्वारा पुलिस को कॉल करते ही आरोपी ऑटो से उतकर भागने लगे। इस पर पीड़िता ने साहस दिखाते हुए हितेश नाम के एक आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी ने पीडि़ता के चंगुल से छूटने का प्रयास किया। लेकिन जब तक पुलिस ने पहुंची पीड़िता ने आरोपी को पकड़े रखा। बाद में पीड़िता ने आरोपी को पुलिस को सौंप दिया। जबकि बिट्टू नाम का आरोपी और उसके दो साथी भागने में कामयाब रहे। पीड़िता की शिकयत पर सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

पीड़िता ने बताया कि उसके पिता दिव्यांग हैं। उसकी नौकरी से परिवार का गुजारा चलता है। आरोप है कि उसने पूर्व में भी आरोपियों के ट्रेन में छेड़छाड़ करने पर जीआरपी को सूचना दी थी। जीआरपी ने एक आरोपी को पकड़ा था। इसके बाद भी आरोपी बाज नहीं आए।

ईकोटेक-3 थाना प्रभारी ने बताया कि छेड़छाड़ ट्रेन व दूसरे थाना क्षेत्र में हुई है। लेकिन पीडि़ता की लोकेशन सूचना देने के बाद उनके क्षेत्र थी। इसके चलते केस दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कांग्रेस ने निकाली 'भारत जोड़ो न्याय मशाल यात्रा'

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर व जिला कांग्रेस के संयुक्त नेतृत्व में नोएडा में रविवार को भारत जोड़ो न्याय मशाल यात्रा का आयोजन किया गया।

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के प्रारंभ पर नोएडा महानगर में आयोजित मशाल यात्रा में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष विदित चौधरी प्रदेश सचिव योगी जाटव, राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर किसान कांग्रेस अजय चौधरी, ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष फिरे सिंह नागर, प्रदेश महासचिव ओबीसी उर्मिला चौधरी, रामभरोसे शर्मा, महिला जिला अध्यक्ष राधा रानी, किसान कांग्रेस ज़िला अध्यक्ष गौतम अवना, जिला महासचिव गौरव लोहिया, ज़िला उपाध्यक्ष सलोनी सोलंकी, मंजु शर्मा,ब्लॉक अध्यक्ष उदय नागर, पीसीसी सदस्य जितेंद्र चौधरी, पीसीसी रिज़्वान चौधरी, ज़िला महासचिव मुकेश शर्मा, धीर सिंह, रामकिशन, नगर अध्यक्ष दादरी किसन शर्मा, रणवीर सिंह, रामकुमार शर्मा, हरेंद्र शर्मा, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जितु पंडित, कैप्टन हरलीन बाजवा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। नोएडा महानगर कांग्रेस कार्यालय से आराभ होकर नोएडा स्टेडियम पर समापन किया गया।